दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 82 ■ दमण, शनिवार 13 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

लक्षद्वीप द्वीपसमूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर निवेशकों की बैठक आज

■ मत्स्य पालन क्षेत्र की प्रगति, विकसित भारत 2047 की एक महत्वपूर्ण कड़ी

फाइल फोटो

लक्षद्वीप (पीआईबी)। भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुधारू पालन मंत्रालय के अधीन मत्स्य विभाग, लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन के सहयोग से, लक्षद्वीप द्वीपसमूह के मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र में निवेश के अवसरों पर एक निवेशक सम्मेलन का आयोजन बंगाराम द्वीप, लक्षद्वीप में 13 दिसम्बर, 2025 को कर रहा है। इस सम्मेलन में केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुधारू पालन मंत्रालय एवं पंचायती राज मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुधारू पालन मंत्रालय एवं पंचायती राज मंत्रालय के राज्य मंत्री प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं दुधारू पालन मंत्रालय एवं अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय के राज्य मंत्री श्री जॉर्ज कुरियन, लक्षद्वीप के प्रशासक श्री प्रफुल पटेल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। यह आयोजन निवेशकों को लक्षद्वीप द्वीपसमूह में मत्स्य पालन और जलीय कृषि क्षेत्र के विकास की संभावनाओं का पता लगाने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगा। एक विशेष संवादात्मक सत्र निवेशकों को अपने अनुभव साझा करने और चुनौतियों को उजागर करने में सक्षम बनाएगा, जिससे द्वीपों के लिए आवश्यक लक्षित नीतिगत क्रियाकलापों को सुगम बनाया जा सकेगा। इस कार्यक्रम में मत्स्य विभाग, एनएफडीबी, एमपीईडीए, ईआईसी, सीएमएफआरआई, सीआईएफटी, सीआईएफनेट, एनसीडीसी, एनसीईएल, एफएसआई, लक्षद्वीप केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन और स्थानीय मछुआरा समितियों के वरिष्ठ अधिकारी भी भाग लेंगे। देश के विभिन्न हिस्सों से लगभग 35 प्रमुख निवेशकों के भाग लेने की उम्मीद है, जिनमें ट्यूना, समुद्री शैवाल, गहरे समुद्र में मछली पकड़ना, अपशिष्ट प्रबंधन और सजावटी मत्स्य पालन के क्षेत्र में अग्रणी उद्यमी शामिल हैं। लक्षद्वीप द्वीपसमूह मत्स्य पालन और जलीय कृषि में जिम्मेदार निवेश के लिए अपार संभावनाएं प्रस्तुत करता है, जहां ट्यूना मछली का सबसे बड़ा हिस्सा (75 प्रतिशत) है, 4200 वर्ग किलोमीटर का लैगून क्षेत्र है और सजावटी मछलियों की समृद्ध जैव विविधता पाई जाती है। यह क्षेत्र गहरे समुद्र में ट्यूना मछली पकड़ने, ट्यूना प्रसंस्करण और कोल्ड-चेन सुविधाएं स्थापित करने, समुद्री शैवाल की खेती, अपतटीय समुद्री कृषि फार्म और सजावटी मछली उत्पादन इकाइयों के लिए अवसर प्रदान करता है। ये उद्यम पर्यावरण-अनुकूल ट्यूना, उच्च मूल्य वाले समुद्री शैवाल के बीज और उत्पादों, और टिकाऊ रूप से प्राप्त एक्वेरियम प्रजातियों की बढ़ती वैश्विक मांग को पूरा कर सकते हैं। इन क्षेत्रों में रणनीतिक निवेश से काफी लाभ मिलने की उम्मीद है, साथ ही स्थानीय आजीविका में सुधार होगा और एक मजबूत नीली अर्थव्यवस्था के विकास में योगदान मिलेगा। सरकार जल क्षेत्र पट्टे पर देने, इंफ्रास्ट्रक्चर के समर्थन और सामुदायिक भागीदारी के माध्यम से निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण बनाने के प्रयास कर रही है। यह निवेशक सम्मेलन प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना (पीएमएमएसवाई) के तहत परिकल्पित 1 लाख करोड़ रुपये के निर्यात के लक्ष्य के अनुरूप है। संबंधित मंत्रालयों, एजेंसियों, वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों और स्थानीय मछुआरा समितियों आदि के प्रतिनिधियों के साथ निवेशकों का यह संवादात्मक सत्र, समग्र सरकारी दृष्टिकोण के माध्यम से मत्स्य पालन और जलीय कृषि के लिए एकीकृत योजना को गति प्रदान करेगा। यह निवेशक सम्मेलन लक्षद्वीप की मत्स्य पालन क्षमता को उजागर करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है और इससे केंद्र शासित प्रदेश को सतत विकास की ओर अग्रसर करने और विकसित भारत 2047 के लक्ष्य में योगदान देने की परिकल्पना की गई है।

निवेश के अवसर

लक्षद्वीप का स्वच्छ समुद्री वातावरण उच्च मूल्य वाले व्यापार में तिहरा लाभ प्रदान करता है। पहला, यहां की पारंपरिक और पर्यावरण के अनुकूल ट्यूना मछली पकड़ने की विधियां एक विशिष्ट, प्रीमियम बाजार की नींव रखती हैं, जिसमें मछली पकड़ने से लेकर खाने की थाली तक की पूरी प्रक्रिया को शामिल किया जा सकता है। दूसरा, एटोल द्वीपों के विशाल लैगून, जो असाधारण रूप से स्वच्छ जल से भरे हैं, उच्च श्रेणी के समुद्री शैवाल की खेती और श्रेष्ठ गुणवत्ता वाले उत्पादों के उत्पादन के लिए आदर्श स्थान हैं। तीसरा, इन समृद्ध लैगूनों में विभिन्न प्रकार के सजावटी मत्स्य संसाधन भी पाए जाते हैं। इष्टतम जल गुणवत्ता, उपलब्ध कार्यबल और लागत प्रभावी बीज उत्पादन के साथ, लक्षद्वीप एक समृद्ध सजावटी मत्स्य पालन मूल्य श्रृंखला स्थापित करने के लिए अद्वितीय रूप से उपयुक्त है।

मोटी दमण पीएचसी में यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर लीगल लिटरेसी प्रोग्राम का हुआ आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 दिसंबर। राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण दमण और एडवोकेट बार एसो. दमण के सहयोग से मोटी दमण पीएचसी में आज सुबह 10.30 बजे यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर लीगल लिटरेसी प्रोग्राम का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग की ओर से उपस्थित डॉ. प्रीति हलपति ने आयुष्मान भारत-प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना और आयुष्मान भारत-हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर्स के बारे में जागरूकता, मुफ्त दवाएं, मुफ्त डायग्नोस्टिक्स और मुफ्त डायलिसिस पहल को बढ़ावा देने और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य जागरूकता को मजबूत करना (JSY, JSSK, PMMVY) के बारे में विस्तार से जानकारी दी। स्वास्थ्य विभाग की नर्स आरती ने नेशनल ट्यूबरकुलोसिस एलिमिनेशन प्रोग्राम (NTEP) और निक्षय पोषण योजना का फायदा ज्यादा से ज्यादा उठाने और ई-संजीवनी के तहत टेलीमेडिसिन का उपयोग करने की जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन वकील रागिनी प्रसाद ने किया और अंत में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग के संकलन से एक दिवसीय कानूनी सहायता केन्द्र का भी आयोजन अस्पताल में किया गया था।

सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी-2026-27 का एक्शन प्लान तैयार करने के लिए वणाकबारा ग्राम पंचायत में हुई ग्रामसभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 12 दिसंबर। दीव जिले की वणाकबारा ग्राम पंचायत द्वारा सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी-2026-27 का एक्शन प्लान तैयार करने के लिए आज ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में सबकी योजना सबका विकास अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना जीपीडीपी वर्ष 2026-27 की कार्य योजना, मिशन अत्योदय योजना अंतर्गत प्राप्त रैंकिंग परिणाम, वर्ष भर में ग्राम पंचायत की आय-व्यय, ग्राम पंचायत की आगामी योजना के बारे में चर्चा की गई। साथ ही दीव के विभिन्न विभागों के माध्यम से लोगों को उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। जिसमें स्वास्थ्य संबंधित जानकारी एवं उसकी योजनाएं, बैंकों में लोगों को उपलब्ध योजनाएं, टोरेंट पावर के कर्मचारियों ने सोलर को लेकर योजना की जानकारी दी। रोजगार संबंधित जानकारी, आयुष स्वास्थ्य, मिशन शक्ति अंतर्गत योजनाएं आदि के बारे में इस ग्राम सभा में विस्तृत जानकारी दी गई। उपस्थित ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी बताई, जिसमें कूड़ा-कचरा, खिलाड़ियों की सुविधा के लिए मैदान एवं अन्य व्यवस्था, मछली मार्केट में मरम्मत आदि से संबंधित समस्याएं शामिल हैं। इस अवसर पर वणाकबारा ग्राम पंचायत के सरपंच वेलजी बीका, मामलतदार धर्मेश दमणिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता कोटिया, उपाध्यक्ष नानजी बाबू, उपसरपंच जगदीश चारणिया, वणाकबारा ग्राम पंचायत के सदस्य सहित की उपस्थिति रही।

जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सिलवासा ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर किया जागरुकता कार्यक्रम

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 दिसंबर। यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे पर जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सिलवासा की ओर से आज सुबह 10.30 बजे दादरा नगर हवेली जिला कोर्ट परिसर में जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत एडवोकेट सोबिया नादर द्वारा प्रभावी एंकरिंग के साथ हुई। उन्होंने सभी मान्यवरों और उपस्थित श्रोताओं का स्वागत कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इसके बाद नमो मेडिकल हॉस्पिटल की एसएमओ डॉ. दर्शना परमार ने यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज डे के उद्देश्य और महत्व पर विस्तृत जानकारी दी। उनके उपरांत डॉ. विराज चौहान ने यूनिवर्सल हेल्थ से जुडी विविध योजनाओं की जानकारी देकर लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं के लाभ एवं प्रक्रियाओं से अवगत कराया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव जयदेव घुले ने भी अपने विचार व्यक्त किए तथा सभी विषयों पर मार्गदर्शन प्रदान किया। उन्होंने स्वास्थ्य एवं न्याय से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं को सरल रूप में समझाया। इस अवसर पर दानह बार एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज भंडारी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम को सफल बनाने में डालसा के सभी स्टाफ ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। डालसा के अधीक्षक संतोष शेलार और सहायक अधीक्षक अनिरुद्ध पगड़े के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस आयोजन में 60 से अधिक लिटिगेंट्स ने भाग लेकर कार्यक्रम को प्रभावी और जन-जागृति उन्मुख बनाया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को स्वास्थ्य सेवाओं के अधिकार, उपलब्ध योजनाएँ और न्यायिक सहायता की जानकारी उपलब्ध कराना था।

कुंता मेन रोड पर ट्रक ने खडी होंडा ब्रियो कार को मारी जोरदार टक्कर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 दिसंबर। कुंता मेन रोड पर ट्रक द्वारा खडी होंडा ब्रियो कार को जोरदार टक्कर मारने की घटना घटित हुई है। इस घटना में कार बूरी तरही क्षतिग्रस्त हो गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, भेंसलोर से सोमनाथ की तरफ जा रही ट्रक नं. जीजे-12 जेड 3583 के चालक ने खडी हुंडा ब्रियो कार नं. डीडी-03-जी- 2701 को जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में कोई जानहानि नहीं हुई है लेकिन कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। पुलिस ने ट्रक चालक को हिरासत में लेकर आगे की कार्यवाही शुरु कर दी है।

कडैया माछीवाड विस्तार में विशालकाय पेड मकान पर गिरा: दिवार, पानी की टंकी एवं पाइपलाइन को हुआ नुकसान

■ कडैया जिला पंचायत सदस्य हर्षल पटेल, सरपंच शंकर पटेल, पंचायत सदस्य बलवन टंडेल एवं जगदीश टंडेल ने वन विभाग एवं फायर विभाग को बुलाकर गिरे पेड को हटवाया

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 12 दिसंबर। कडैया माछीवाड विस्तार में 11 दिसंबर की शाम लगभग 6 बजे एक मकान पर विशालकाय पेड गिर गया। जिससे नवोदित हीरा टंडेल के घर की दिवार, पानी की टंकी एवं पाइपलाइन को नुकसान पहुंचा। इस घटना की जानकारी होते हुए कडैया जिला पंचायत सदस्य हर्षल पटेल, सरपंच शंकर पटेल, पंचायत सदस्य बलवन टंडेल एवं जगदीश टंडेल ने वन विभाग एवं फायर विभाग को सूचित किया। फायर विभाग की सहायता से गिरे हुए पेड को हटवाया गया। इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई है। इस बचाव कार्य में कडैया माछीवाड के स्थानीय नागरिकों एवं वन विभाग तथा फायर विभाग का सहयोग के लिए आभार भी जताया गया।

मथुरा के गांवों से चल रहा था डिजिटल अरेस्ट का धंधा, 300 जवानों ने की घेराबंदी, 42 को दबोचा

मथुरा (एजेंसी)। मथुरा के आसपास लगे गांवों से साइबर ठगों की गैंग सक्रिय थी। लंबे समय से डिजिटल अरेस्ट जैसे कई साइबर क्राइम के सूचनाएं मिलने पर पुलिस ने घेराबंदी की और 42 आरोपियों को दबोच लिया। दरअसल, मथुरा के कुछ गांव जामताड़ा बनते जा रहे थे, जहां से साइबर ठगी का काला धंधा ऑपरेट होता था। झारखंड का जामताड़ा जिला साइबर अपराधों के लिए कुख्यात है। ऐसे में मथुरा पुलिस ने इस पनपते नेटवर्क को क्रैकडाउन करने के लिए कई थानों की फोर्स लगाई और करीब चार गांवों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। एसपी देहात सुरेश चन्द रावत ने इस कार्रवाई की पुष्टि की। उन्होंने बताया कि 4 सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में सर्च अभियान चलाया गया। इस दौरान काफी मात्रा में आपत्तिजनक सामान, आधार कार्ड, और मोबाइल सहित कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है। उन्होंने आगे कहा कि सभी से गहन पूछताछ की जा रही है और दोषी पाए जाने पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। थाना गोवर्धन इलाके के गांव देवसेरस में साइबर अपराधियों की धरपकड़ के लिए बीते दिन एक सर्च अभियान चलाया गया। भारी संख्या में पुलिस बल और पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में पुलिस की टीमें गांव में पहुंचीं। पुलिस ने चार सीओ और भारी पुलिस बल के साथ चार गांवों में यह अभियान चलाया। इस दौरान पुलिस ने आधार कार्ड, मोबाइल सहित काफी मात्रा में आपत्तिजनक/संदिग्ध सामान जब्त किया। साइबर क्राइम के क्षेत्र में यह गांव काफी मशहूर है, इसलिए यह कार्रवाई हुई। जैसे ही पुलिस की टीमें भारी संख्या में गांव देवसेरस में पहुंचीं, चारों ओर हड़कंप मच गया। पुलिस के आने की भनक लगते ही कई अपराधी इधर-उधर भागने लगे। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता था कि किस प्रकार भारी पुलिस बल ने गांव में पहुंचकर अपराधियों की धरपकड़ के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया। बताया जाता है कि इस सर्च ऑपरेशन में एक दर्जन से अधिक समेत कुल 42 लोगों को हिरासत में लिया गया है।

तेंदुए की वेशभूषा पहन विधानसभा पहुंचे सोनावणे, तेंदुए की आवाज निकाल किया रोमांचित

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा के बाहर जुन्नर के विधायक शरद सोनावणे तेंदुए की वेशभूषा पहनकर सदन पहुंचे। सिर से पांव तक तेंदुए की त्वचा के पैटर्न से सजी उनकी पोशाक ने सभी का ध्यान खींचा। विधानसभा परिसर में प्रवेश करते ही उनकी अनोखी वेशभूषा चर्चा का विषय बन गई। सोनावणे ने तेंदुए की आवाज़ें निकालकर माहौल को और भी मनोरंजक बना दिया। उनके इस अंदाज़ को देखने वाले लोग हैरान होने के साथ मुस्कराए बिना नहीं रहे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह पूरा प्रदर्शन वन्यजीव संरक्षण और क्षेत्र में बढ़ती तेंदुआ समस्या की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना था। विधायक का कहना है कि स्थानीय लोगों को तेंदुओं से सुरक्षा और उचित मुआवजे की जरूरत है, जिसे लेकर वे लगातार सरकार से कार्रवाई की मांग कर रहे हैं। विधानसभा के बाहर उनका यह अनूठा विरोध दिनभर चर्चा का विषय बना रहा और सोशल मीडिया पर भी खूब वायरल हुआ।

कर्नाटक सीएम ने अपनी हवाई यात्रा का दिया ब्यौरा, सरकार ने 47 करोड़ से ज्यादा किए खर्च

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के सीएम सिद्धरमैया की मई 2023 से नवंबर 2025 के बीच विशेष उड़ानों, विमानों और हेलीकॉप्टर का इस्तेमाल करके की गई हवाई यात्रा पर राज्य सरकार ने 47 करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए। वित्त मंत्रालय का प्रभार संभाल रहे सिद्धरमैया ने विधान परिषद में बीजेपी के विधान परिषद सदस्य एन रवि कुमार के प्रश्न का लिखित उत्तर में यह जानकारी दी। उन्होंने साफ किया कि विशेष उड़ानें, विमान और हेलीकॉप्टर केवल आधिकारिक दौरों के लिए ही इस्तेमाल किए जाते हैं। सीएम के मुताबिक कर्नाटक सार्वजनिक खरीद पारदर्शिता अधिनियम के तहत दी गई छूट राज्यपाल, मुख्यमंत्री और मुख्य न्यायाधीश की आधिकारिक यात्रा के लिए विशेष विमानों और हेलीकॉप्टर के इस्तेमाल की अनुमति देती है। पिछले ढाई सालों में सिद्धरमैया ने मैसूरु की 22 बार हवाई यात्रा की है, जिसके लिए उन्होंने बेंगलुरु-मैसूरु मार्ग पर पांच करोड़ रुपए से ज्यादा का यात्रा व्यय किया। बेंगलुरु-मैसूरु सड़क मार्ग से यात्रा करने में करीब ढाई घंटे लगते हैं। उनकी अन्य यात्राओं में नई दिल्ली, हैदराबाद और चेन्नई का सफर शामिल थे।

कफ सिरप मामला : ईडी ने आरोपी शुभम के यूपी, गुजरात, झारखंड के ठिकानों पर मारे छापे

लखनऊ (एजेंसी)। अवैध कफ सिरप मामले में ईडी की लखनऊ यूनिट टीम ने शुक्रवार सुबह गोरखधंधे के मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल से जुड़े यूपी, गुजरात और झारखंड के ठिकानों पर छापे मारे। अवैध कफ सिरप के व्यापार को लेकर पिछले दो महीनों में 30 से ज्यादा एफआईआर दर्ज की जा चुकी हैं, जिसके आधार पर ईडी ने कार्रवाई शुरू की है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ईडी की टीम ने यूपी के लखनऊ, सहारनपुर, वाराणसी और जौनपुर, झारखंड के रांची और गुजरात के अहमदाबाद में बनाए गए ठिकानों पर छापे मारे। अंदेशा है कि इन्हीं ठिकानों पर अवैध कफ सिरप का भंडारण किया गया और बिक्री के लिए आसपास के शहरों और कस्बों में सप्लाई की गई। बता दें कफ सिरप के सेवन से कई बच्चों की मौत होने की खबरों से मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इस गोरखधंधे में शुभम जायसवाल मुख्य आरोपी है, जिसके सहयोगी आलोक सिंह और अमित सिंह रहे हैं। मामले में आलोक सिंह को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। बता दें पिछले दो महीनों में लखनऊ, वाराणसी, सोनभद्र, सहारनपुर और गाजियाबाद समेत कई जिलों में कोडीन फॉर्मूले से बनी कफ सीरप का अवैध भंडारण और खरीद-बिक्री की गई, जिससे हजारों करोड़ रुपए का अवैध व्यापार हुआ। वहीं, मामला उजागर होने पर मुख्य आरोपी शुभम जायसवाल दुबई में जाकर छिप गया। हालांकि, उसके पिता भोला प्रसाद समेत 32 लोग मामले में गिरफ्तार किए जा चुके हैं। इसके अलावा इस मामले की जांच के लिए एसआईटी का गठन भी किया गया है।

14 दिसंबर को मिलेगा यूपी बीजेपी को अपना नया अध्यक्ष, केशव प्रसाद मौर्य रेस में सबसे आगे

लखनऊ(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को अपना नया प्रदेश अध्यक्ष 14 दिसंबर को मिलने वाला है। संगठन चुनाव प्रभारी डॉ. महेंद्रनाथ पांडेय द्वारा निर्वाचन कार्यक्रम घोषित होने के बाद राजनीतिक हलकों में कयासों का दौर तेज हो चुका है। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े भी लखनऊ पहुंचने वाले हैं, इसके बाद नामांकन और चुनाव की प्रक्रिया शुरू होगी। पार्टी की नजर 2027 के विधानसभा चुनाव और 2029 के लोकसभा चुनाव पर है, इसके लिए देश के सबसे बड़े सूबे यूपी का नया अध्यक्ष रणनीतिक चेहरा साबित हो सकता है।

2024 लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी से मिली हार के बाद भाजपा नेतृत्व संगठनात्मक बदलाव को लेकर बहुत ही गंभीर है। बताया जा रहा हैं कि बीजेपी इस बार ऐसा चेहरा सामने लाने वाली है, जो प्रदेश में जातीय समीकरणों को मजबूत कर सके। भाजपा के कई शीर्ष नेता स्पष्ट संकेत दे चुके हैं कि अध्यक्ष पद पर किसी गैर-ठाकुर और ओबीसी नेता को मौका मिल सकता है। जिससे सपा के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फॉर्मूले को काउंटर कर सके। अध्यक्ष पद की रेस में कई बड़े नाम शामिल हैं। इसमें सबसे बड़ा नाम उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, जो ओबीसी कोइरी समुदाय के बड़े नेता हैं। 2017 में यूपी में भाजपा की ऐतिहासिक जीत के दौरान वे प्रदेश अध्यक्ष थे और उनके संगठनात्मक अनुभव को देखकर उनका नाम सबसे आगे है। इसके अलावा मोदी सरकार में राज्य मंत्री पंकज चौधरी भी प्रमुख दावेदार हैं। कुर्मी समुदाय के प्रभावशाली नेता होने के साथ उनकी साफ छवि और केंद्रीय नेतृत्व से निकटता उनके पक्ष में जाती है।

इसके अलावा योगी सरकार में कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह भी दौड़ में मजबूत चेहरा हैं, जिन्होंने पहले भी सफलतापूर्वक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष की जिम्मेदारी निभाई है। वहीं लोधी समुदाय को साधने के लिए केंद्र सरकार में मंत्री बीएल वर्मा और यूपी कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के नाम पर भी मजबूत चर्चा है। दोनों नेताओं का प्रभाव पश्चिमी और मध्य यूपी में अच्छा माना जाता है।

इस बीच केंद्र सरकार में राज्य मंत्री साध्वी निरंजन ज्योति भी संभावित नामों में शामिल हैं। निषाद समुदाय की नेता होने के साथ वे महिला और ओबीसी–दोनों श्रेणियों में भाजपा के लिए महत्वपूर्ण संदेश दे सकती हैं। यदि पार्टी अपना अध्यक्ष ओबीसी समुदाय से न चुनने का फैसला करती है, तब ब्राह्मण नेताओं बृजेश पाठक और दिनेश शर्मा के विकल्प भी खुले हैं, हालांकि राजनीतिक विश्लेषक इस बात की संभावना कम मनाते हैं। अब सभी की निगाहें 14 दिसंबर पर टिकी हैं, जब भाजपा यह घोषणा करेगी कि उत्तर प्रदेश में उसे अगला अध्यक्ष कौन मिलेगा, और आने वाले चुनावों के लिए भाजपा किस दिशा में आगे बढ़ेगी।

इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिका के कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष में ले जाएगा

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने अपने दशकों के इतिहास में कई ऐसी लॉन्चिंग की हैं, जिनकी मिसाल पूरी दुनिया में दी जाती है। अब इसरो एक और बड़ा काम करने जा रहा है। इसरो का बाहुबली रॉकेट अमेरिकी मोबाइल कंपनी की 6500 किलो वजनी कमर्शिलय सैटेलाइट को अंतरिक्ष तक ले जाएगा। जिसका काउंटडाउन शुरू हो चुका है। भारत और अमेरिका के बीच स्पेस सहयोग को नई मजबूती मिलने जा रही है। इसरो 15 दिसंबर को अपना सबसे ताकतवर रॉकेट एलवीएम 3 (जिसे 'बाहुबली' भी कहा जाता है) के जरिए अमेरिका का 6.5 टन वजनी कम्युनिकेशन सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अंतरिक्ष में भेजेगा। यह लांच श्रीहरिकोटा से होगा। एलवीएम 3 की क्षमता काफी ज्यादा पेलोड ले जाने की है। एलवीएम3 एक तीन-स्टेज भारी रॉकेट है। यह 8,000 किलो तक का पेलोड लो-अर्थ ऑर्बिट में और 4,000 किलो तक का पेलोड जीटीओ में ले जा सकता है। यह वही रॉकेट है जिसने 2 नवंबर को भारत के सबसे भारी 4.4 टन वजनी सीएमएस-3 सैटलाइट को सफलतापूर्वक लांच किया। टेक्सास की कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का सैटलाइट ब्लूबर्ड-6 अमेरिकी कंपनी एटीएस स्पेसमोबाइल का अगली पीढ़ी का सैटलाइट है। कंपनी का कहना है कि यह उनका पहला नेक्स्ट-जेन ब्लूबर्ड सैटलाइट होगा, जिसमें लगभग 2,400 स्क्वायर फुट का बड़ा ऐंटिना लगा है। यह ब्लूबर्ड-1 से 5 की तुलना में 3.5 गुना बड़ा है और 10 गुना ज्यादा डेटा क्षमता रखता है। इस सैटेलाइट को लांच करने का उद्देश ?य दूर-दराज़ इलाकों में सीधे फोन पर इंटरनेट मुहैया कराना है। ब्लूबर्ड-6 'ब्लॉक-2' सीरीज का हिस्सा है। कंपनी 2026 तक कई और सैटलाइट भेजकर ऐसी सेवा शुरू करना चाहती है, जिससे नेटवर्क न होने वाले दूरस्थ इलाकों में भी सीधे मोबाइल फोन पर हाई-स्पीड इंटरनेट मिल सके। हर ब्लूबर्ड सैटलाइट 10,000 एमएचजेड तक बैंडविड्थ देने में सक्षम है और मोबाइल नेटवर्क कंपनियों के साथ मिलकर उनके लाइसेंस्ड स्पेक्ट्रम का उपयोग करते हुए सेवा उपलब्ध कराता है।

लूथरा बंधुओं को भारत पहुंचते ही पीट-पीटकर मार डालने का डर... जमानत याचिका में लगाई गुहार

पणजी (एजेंसी)। गोवा में रोमियो लेन चेन क्लब में आग लगने से 25 लोगों की मौत। इस मामले में क्लब के मालिक गौरव लूथरा (44) और सौरभ लूथरा को आरोपी बनाया गया है। इसके बाद दोनों भाई थाईलैंड भाग गए थे। वहां रहते हुए उन्होंने जमानत याचिका दायर की। याचिका में दोनों भाइयों को डर है कि भारत लाए जाने पर गोवा में उन्हें पीट-पीटकर मार डाला जाएगा (लिंचिंग)। उन्होंने अपनी जमानत याचिका में यह डर ज़ाहिर किया। दोनों भाई को उनका पासपोर्ट रद्द किए जाने के बाद उन्हें थाइलैंड में हिरासत में ले लिया गया है और उन्हें भारत लाने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। दोनों भाइयों ने भारत लाए जाने से पहले दिल्ली के रोहिणी कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दायर की थी। अडिशनल सेशंस जज वंदना ने याचिका खारिज कर दी, यह कहते हुए कि प्राथमिक दृष्टया अपराध की प्रकृति गंभीर है।

वकीलों की दलीलः उन्होंने चार सप्ताह की ट्रांजिट अग्रिम जमानत मांगी। दलील दी कि उनकी सुरक्षा को खतरा है और गोवा में उनकी लिंचिंग हो सकती है। उन्होंने अपनी अन्य प्रॉपर्टीज पर हुए बुलडोजर एक्शन का भी जिक्र किया। कहा कि वे जांच में शामिल होंगे और उन्हें सताया नहीं जाना चाहिए।

कोर्ट की टिप्पणीः जज ने पाया कि लूथरा भाइयों ने तथ्य को छिपाया। उन्होंने कहा था कि वे आग लगने से पहले ही थाइलैंड गए थे, लेकिन दस्तावेजों से पता चला कि उन्होंने आग लगने की जानकारी मिलने के बाद ही टिकट बुक की और देश से बाहर निकल गए। अदालत ने यह भी रेखांकित किया कि लाइसेंस अग्रीमेंट, ट्रेड लाइसेंस और लीज डीड पहले ही एक्सपायर हो चुकी थी।

सीएम शर्मा ने पेश किया रिपोर्ट कार्ड... संकल्प-पत्र के 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे किए

जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान में भजनलाल शर्मा सरकार के दो साल पूरे होने के मौके पर सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा कि हम लोगों ने केवल कहा नहीं, बल्कि करके दिखाया है, यह आंकड़ें इस बात का जीता जगाता सबूत है। हमारी सरकार ने संकल्प-पत्र में कुल 392 संकल्प लिए गए थे, जिसमें से 274 संकल्प या पूरे कर दिए गए हैं या प्रगति पर है। हमारी सरकार ने जो काम 5 साल में पूरे करने का वादा किया था। उसमें से 70 प्रतिशत काम 2 साल में पूरे कर दिए गए है।

सीएम शर्मा ने कहा कि पिछली कांग्रेस की गहलोत सरकार ने पाइपलाइन से लेकर टेंडर तक के स्तर पर भ्रष्टाचार और कमीशनखोरी होती थी। मैंने सत्ता में आते ही कहा था कि मछलियां ही नहीं, बड़े मगरमच्छ भी पकड़े जाएंगे। पकड़े भी गए हैं, जेल भी गए। आगे भी किसी को छोड़ने वाले नहीं है।

ओटीएस परिसर के नेहरू भवन में सीएम शर्मा ने सरकार की उपलब्धियां की बुक का विमोचन किया। इस मौके पर डिप्टी सीएम दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल, सीएस वी श्रीनिवास और डीजीपी राजीव शर्मा भी रहे मौजूद हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि आज मुझे विधायक दल का नेता चुनने के दो साल पूरे हो चुके है। आज नवाचार दिवस भी हैं। सभी में नवाचार की गुंजाइश रहती हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कहते हैं कि हर साल जनता को अपने काम पर लेकर जोखा देना चाहिए। एक साल पूरा होने पर भी मेरी सरकार ने जनता के सामने अपने काम का लेखा-जोखा रखा था। आज भी 2 साल के रूप में जो काम किया है, उन्हें जनता के बीच में लेकर जा रहे है। मीडिया के माध्यम से भी हम राजस्थान की जनता को उन कार्यों के बारे में जानकारी दे रहे हैं।

सीएम शर्मा ने कहा कि प्रदेश में कांग्रेस के शासनकाल के समय में क़ानून व्यवस्था की धज्जियां उड़ गई थी । यह किसी से छुपा नहीं है। महिलाओं के साथ बर्बरता हुई। इन्हीं के एक मंत्री ने विधानसभा में कहा कि राजस्थान मर्दों का प्रदेश है इन्हें शर्म नहीं आई, इन्हें बहन बेटियों का दर्द नहीं दिखा। हमारी सरकार ने 2 साल में कानून का राज स्थापित किया है। महिलाओं का सम्मान लौटाया। अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाया है और कांग्रेस काल में जो अराजकता का दौर फैला उस दौर को हमारी सरकार ने ख़त्म किया है।

बंगाल में चुनाव की तैयारियों को लेकर मुख्य निर्वाचन अधिकारी की महत्वपूर्ण बैठक

कोलकाता (एजेंसी)। निर्वाचन आयोग ने कोलकाता में मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) के कार्यालय में राज्य और केंद्र की 25 एजेंसियों के प्रतिनिधियों के साथ समन्वय बैठक की, ताकि चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन हो सके और आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जमीनी स्थिति की समीक्षा की जा सके। बैठक को लेकर एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि बैठक में राज्य और केंद्र के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया, जिसमें पुलिस महानिदेशक, कोलकाता पुलिस आयुक्त और बीएसएफ, एसएसबी, सीआईएसएफ और आरपीएफ के शीर्ष अधिकारी शामिल थे। अधिकारी ने बताया कि प्रवर्तन निदेशालय के कोलकाता जोन के विशेष निदेशक भी बैठक में उपस्थित थे। उन्होंने कहा, बैठक मुख्य रूप से चुनाव पूर्व तैयारियों का आकलन करने के लिए बुलाई गई थी।

सीएम ममता बनर्जी ने नहीं भरा एसआईआर फॉर्म, बोलीं- इससे बेहतर है जमीन पर नाक रगड़ना

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं। चुनावों से पहले मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर बंगाल की राजनीति अपने चरम पर है। इसी बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बड़ा बयान देते हुए खुलासा किया कि उन्होंने अब तक एसआईआर फॉर्म नहीं भरा है। उन्होंने कहा कि उन्हें अपनी नागरिकता साबित करने की जरूरत नहीं है और ऐसा करना अपमानजनक है। बनर्जी ने कहा, मैंने अभी तक फॉर्म फिलअप नहीं किया है। क्यों करूं? मैं तीन बार की केंद्रीय मंत्री रही हूं, सात बार सांसद रही हूं और आपके आशीर्वाद से तीन बार मुख्यमंत्री बनी हूं। अब मुझे प्रमाणित करना होगा कि मैं नागरिक हूं या नहीं। इससे तो जमीन पर नाक रगड़ना बेहतर है।

इससे पहले नादिया जिले के कृष्णनगर में रैली को संबोधित करते हुए उन्होंने तीखे शब्दों में आरोप लगाया कि भाजपा और केंद्र सरकार बंगाल में 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, अमित शाह सीधे तौर पर मतदाताओं की सूची से 1.5 करोड़ नाम हटाने की कोशिशों को गाइड कर रहे हैं। अगर एसआईआर प्रक्रिया के दौरान एक भी योग्य मतदाता को बाहर किया गया तो वह अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने उन रिपोर्टों का हवाला दिया कि जिन लोगों ने अपने दस्तावेज़ों के हिस्से के रूप में दादा-दादी के नाम जमा किए थे, उन्हें सुनवाई के लिए बुलाया जाएगा और उनके नाम रोल से हटाए जाने का खतरा होगा। उन्होंने कहा, अब हम सुनते हैं कि जिन्होंने अपने दादा-दादी के नाम दिए हैं, उन्हें बुलाया जाएगा और योजना है कि इन सुनवाइयों से सीधे नाम हटा दिए जाएं। गौरतलब है कि चुनाव आयोग ने स्पष्ट किया है कि मुख्यमंत्री सहित संवैधानिक पदाधिकारियों को 'मार्क्ड इलेक्टर' श्रेणी में रखा जाता है, इसलिए उन्हें सामान्य नागरिकों की तरह फॉर्म भरने की बाध्यता नहीं है। इस श्रेणी में प्रधानमंत्री, सभी मुख्यमंत्री और अन्य संवैधानिक पद धारक शामिल हैं और कानूनी तौर पर उन्हें जनगणना फॉर्म जमा करने की आवश्यकता नहीं है। बंगाल में एसआईआर का पहला चरण आज गुरुवार को खत्म हो रहा है, जिसमें ड्राफ्ट रोल 16 दिसंबर को घोषित किए जाएंगे और सुनवाई और सत्यापन दिसंबर और जनवरी के मध्य तक जारी रहेंगे। अंतिम मतदाता सूची फरवरी के मध्य में प्रकाशित होने वाली है।

अनुराग ठाकुर की सियासी टिप्पणी से, राजनैतिक चर्चा तेज... अगला रात्रिभोज पीएम मोदी कब देने वाले

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा अपने आधिकारिक आवास 7 लोक कल्याण मार्ग पर आयोजित विशेष रात्रिभोज ने सियासी गलियारों में नई चर्चा को जन्म दिया है। इस डिनर में भाजपा और एनडीए के सभी सांसद शामिल हुए। भाजपा नेता गुरु प्रकाश पासवान ने बताया कि रात्रिभोज का उद्देश्य सिर्फ और सिर्फ संवाद था। उनका कहना था कि प्रधानमंत्री मोदी संवाद-प्रधान नेतृत्व में विश्वास करते हैं और इसी भावना को मजबूत करने के लिए सांसदों को एक साथ बुलाया गया।

लेकिन डिनर में शामिल वरिष्ठ भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने एक संकेतात्मक टिप्पणी की, जिससे राजनीतिक हलचल और बढ़ गई। ठाकुर ने कहा, ÷बिहार में बंपर जीत के बाद हमें पीएम मोदी ने डिनर पर बुलाया था। अब अगला भोज बंगाल जीत के बाद दिया जाएगा। उनकी यह टिप्पणी पश्चिम बंगाल में आगामी चुनावी तैयारी और भाजपा की रणनीति से जुड़ी मानी जा रही है।

बात दें कि रात्रिभोज के दौरान प्रधानमंत्री मोदी स्वयं अधिकांश टेबलों तक जाकर सांसदों से भोजन का आग्रह करते दिखाई दिए। मेहमाननवाजी का यह अंदाज सभी सांसदों को प्रभावित कर गया। कुल 50 से अधिक टेबलें लगाई गई थीं, जिन पर 7-8 सांसद बैठे। खास बात यह रही कि हर टेबल पर भाजपा सांसदों के साथ किसी न किसी सहयोगी दल का सांसद जरूर मौजूद रहा, ताकि एनडीए में बेहतर समन्वय और संवाद स्थापित हो सके।

सूत्रों के अनुसार जिस टेबल पर प्रधानमंत्री मोदी बैठे थे, वहां पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा भी मौजूद थे। दो घंटे तक चले डिनर में सांसदों ने विभिन्न राष्ट्रीय और राजनीतिक मुद्दों पर अनौपचारिक बातचीत की। उल्लेखनीय है कि पूरे कार्यक्रम में कोई औपचारिक भाषण नहीं हुआ–प्रधानमंत्री ने केवल संवाद और समन्वय पर जोर दिया। इससे संदेश गया कि एनडीए गठबंधन आगे और मजबूत होकर काम करेगा।

वहीं डिनर में पूरे भारत के स्वाद का समावेश था। खाने के मेन्यू में कश्मीर का कहवा, बंगाल का रसगुल्ला, पंजाब की मिस्सी रोटी, गोंगुरा पनीर, खुबानी मलाई कोफ्ता, कोथिंबीर वड़ी, सब्ज बादाम शोरबा, काकुम-मटर-अखरोट की शम्मी जैसी विशेष डिशेज शामिल थीं। विभिन्न राज्यों के व्यंजनों के सम्मिलन ने कार्यक्रम को सांस्कृतिक रूप से भी खास बना दिया।

पर्यटन से पैसा कमाने का मौका दे रही केंद्र सरकार... होमस्टे के लिए बिना किसी गारंटी के मुद्रा ऋण

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने 2025-26 के बजट घोषणापत्र में होमस्टे के लिए मुद्रा ऋण के रूप में बिना किसी गारंटी के संस्थागत ऋण देने का ऐलान किया है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों सहित पूरे देश में होमस्टे की स्थापना में सहायता और प्रोत्साहन हो सके। केंद्रीय पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने राज्यसभा में लिखित प्रश्न के उत्तर में इसकी जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि पर्यटन मंत्रालय ने प्रधानमंत्री जनजातीय उन्नत ग्राम अभियान (पीएमजेयूजीए) के अंतर्गत 'आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे का विकास' (स्वदेश दर्शन की एक उप-योजना) के लिए दिशानिर्देश तैयार किए हैं। केंद्र सरकार की इस योजना का उद्देश्य आदिवासी क्षेत्रों में होमस्टे तैयार करना है, ताकि जिम्मेदार पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके, आदिवासी समुदायों के लिए आजीविका के मौके बढ़ाए जा सकें और हितधारकों को आदिवासी गांवों में टिकाऊ पर्यटन प्रणालियों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके।

इस योजना के तहत ग्राम समुदाय की आवश्यकताओं के लिए 5 लाख रुपये तक की वित्तीय सहायता, प्रत्येक परिवार के लिए दो नए कमरों के निर्माण में मदद हेतु 5 लाख तक की सहायता और प्रत्येक परिवार के मौजूदा कमरों के नवीनीकरण के लिए 3 लाख रुपये तक की सहायता दी जाती है।

बता दें, पर्यटन मंत्रालय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक पर्यटन सहित देश के विविध पर्यटन उत्पादों को समग्र रूप से बढ़ावा देता है। यह प्रचार यात्रा कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के आयोजन और उनमें भागीदारी के माध्यम से, राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश सरकारों को मेलों और उत्सवों के आयोजन में सहायता प्रदान करके, आतिथ्य कार्यक्रम के तहत प्रभावशाली व्यक्तियों, पर्यटन संचालकों, पत्रकारों और विचारकों को देश का दौरा करने के लिए आमंत्रित करके, राज्य सरकारों और विदेशों में स्थित भारतीय दूतावासों के सहयोग से वेबसाइट और सोशल मीडिया प्रचार के माध्यम से प्रचार के विभिन्न क्रियाकलापों द्वारा किया जाता है।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के ऊपर पहुंची , सोना भी उछला

नई दिल्ली ।

पहली बार चांदी 2 लाख रुपये प्रति किलो के पार पहुंच गई है। फेडरल रिजर्व बैंक द्वारा ब्याज दरों में कटौती और मांग बढ़ने के बाद मल्टी कमोडिटी मार्केट (एमसीएक्सा) पर चांदी में ये उछाल आया है। चांदी 1600 रुपये उछलकर 2,00,510 रुपये प्रति किलो पर कारोबार कर रही है। वहीं सोने में भी रिकॉर्ड तेजी रही।

एमसीएक्स पर सोना आज करीब 2500 रुपये चढ़कर 1,34,966 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया, ये इसका रिकॉर्ड ऊंचा स्तर है। एमसीएक्स पर सोने के वायदा भाव लगभग 1,32,700 रुपए और चांदी के भाव 1,97,850 रुपए के आसपास कारोबार कर रहे थे। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने के फरवरी कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ 1,32,442 रुपए पर हुई, जबकि पिछला बंद भाव 1,32,469 रुपए था। शुरुआती कमजोरी के बाद सोने में खरीदारी बढ़ी और यह कॉन्ट्रेक्ट 1,32,673 रुपए पर पहुंच गया, जो लगभग 204 रुपए की तेजी दर्शाता है। दिन के दौरान सोना 1,32,764 रुपए के रिकॉर्ड उच्च स्तर तक पहुंचा, जबकि 1,32,400 रुपए इसका दिन का निचला स्तर रहा। इसके विपरीत, चांदी के मार्च कॉन्ट्रेक्ट की शुरुआत

सुस्त रही और पिछले बंद 1,98,942 रुपए से करीब 1,984 रुपए की गिरावट के साथ 1,96,958 रुपए पर खुला, यानी कारोबार के दौरान चांदी में दबाव बना रहा और यह 1,97,878 रुपए तक फिसल गई।

रुपया गिरावट पर बंद

मुंबई । रुपया शुक्रवार को दो पैसे की गिरावट के साथ ही 90.52 पर बंद हुआ। आज सुबह कारोबार में रुपया 24 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.56 के नए निचले स्तर पर पहुंच गया। भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर अनिश्चितता एवं विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से भी निवेशकों की भावना प्रभावित होने से रुपया दबाव में है। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कीमती धातुओं की वैश्विक कीमतों में उछाल के बीच आयातकों द्वारा डॉलर की आक्रामक खरीद से भी रुपया पर दबाव पड़ा। अंतरबैंक विदेशी विनिमय मुद्रा बाजार में रुपया, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 90.43 पर खुला। फिर डॉलर के मुकाबले 90.56 पर लुढ़क गया जो पिछले बंद भाव से 24 पैसे की गिरावट दिखाता है। रुपया गुरुवार को 38 पैसे टूटकर अब तक के सबसे निचले स्तर 90.32 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दिखाने वाला डॉलर सूचकांक 0.02 फीसदी की बढ़त के साथ 98.37 पर रहा।

इंडिगो सीसीआई की जांच के घेरे में

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) आंतरिक रूप से यह देख रहा है कि देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा नियमों का उल्लंघन किया है या नहीं। अधिकारी ने बताया कि अभी तक कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं की गई है और जांच स्वतः संज्ञान के आधार पर की जा रही है। इंडिगो घरेलू बाजार में 65 फीसदी से अधिक हिस्सेदारी रखती है। जांच में कंपनी के प्रभुत्व, विशेष मार्गों पर नियंत्रण और इसका दुरुपयोग-शोषणकारी या बहिष्करणकारी- जांचने पर ध्यान दिया जाएगा। प्रभुत्व में होना अपने आप में अपराध नहीं है, केवल इसका दुरुपयोग ही नियमों का उल्लंघन माना जाता है। 2 दिसंबर से इंडिगो ने सैकड़ों उड़ानें रद्द कीं, जिससे हजारों यात्री प्रभावित हुए। नए उड़ान 'ड्यूटी' नियमों को लागू करने में योजना की कमी को प्रमुख कारण माना जा रहा है। डीजीसीए भी एयरलाइन के संचालन की निगरानी बढ़ा रहा है। सीसीआई का उद्देश्य बाजार में प्रतिस्पर्धा-विरोधी प्रथाओं को रोकना और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना है। इसके अधिकारों में जांच, जुर्माना और निषेधाज्ञा जारी करना शामिल है।

मेटा इंडिया में अमन जैन बने सार्वजनिक नीति प्रमुख

नई दिल्ली । मेटा इंडिया ने अमन जैन को सार्वजनिक नीति का नया प्रमुख नियुक्त किया है। जैन अगले साल की शुरुआत में कंपनी में शामिल होंगे और एपीएसी के नीति उपाध्यक्ष साइमन मिलनर के अधीन काम करेंगे। उनके पास अमेज़न, गूगल, भारत सरकार और अंतरराष्ट्रीय संगठनों में 20 वर्षों का अनुभव है। मेटा का उद्देश्य भारत में समावेशी, विश्वसनीय और भविष्य के लिए तैयार इंटरनेट बनाना है। जैन की नियुक्ति से कंपनी को नीति निर्माण और उद्योग हितधारकों के साथ बेहतर साझेदारी में मदद मिलेगी।

एनपीएस को सोने-चांदी ईटीएफ में निवेश की अनुमति

- लगभग 1.7 बिलियन डॉलर निवेश के अवसर मिलेंगे

नई दिल्ली । नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) अब अपने फंड का एक फीसदी सोने और चांदी के एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड्स (ईटीएफ) में निवेश कर सकता है। यह पहली बार है जब भारतीय नियामक ने पेंशन फंडों को कीमती धातुओं में निवेश की अनुमति दी। इस पहल से लगभग 1.7 बिलियन डॉलर के निवेश के अवसर खुलते हैं। सोने और चांदी ने इस साल क्रमशः 61 फीसदी और 114 फीसदी की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की है। ईटीएफ के जरिए निवेशकों को धातुओं में सीधी हिस्सेदारी लेने का आधुनिक तरीका मिल गया है। एक शोध विशेषज्ञ के मुताबिक यह कदम सोने को एक प्रभावी पोर्टफोलियो डाइवर्सिफ़ायर के रूप में स्थापित करता है। एनपीएस पिछले दो दशकों से संचालित है और 177 बिलियन डॉलर के टैक्स-इफिशिएंट रिटायरमेंट फंड्स का प्रबंधन करता है। भारत दुनिया के शीर्ष सोने उपभोक्ताओं में है। ईटीएफ ने सोने और चांदी में निवेश को आधुनिक और सुरक्षित विकल्प बना दिया है।

यात्री वाहनों की थोक बिक्री नवंबर में 19 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली । सोसायटी ऑफ़ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) ने बताया कि नवंबर 2025 में यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 18.7 फीसदी बढ़कर 4,12,405 इकाइयों तक पहुंच गई। इसी तरह, दोपहिया वाहनों की बिक्री भी 21 फीसदी की वृद्धि के साथ 19,44,475 इकाइयों तक पहुंची। सियाम ने कहा कि त्योहारों के बाद भी मजबूत मांग ने इस वृद्धि में योगदान दिया। विशेषज्ञों के अनुसार, यह उपभोक्ता विश्वास और वाहन बाजार की स्थिर रिकवरी का संकेत है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

- मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रे ति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रे ति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रे ति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रे ति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रे ति दिन होगी। 2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रे ति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 449, निफ्टी 148 अंक उछला

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। वहीं गत दिवस भी बाजार उछाल के साथ बंद हुंआ था। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिना बाजार में ये तेजी एशियाई बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी होने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 449.53 अंक बढ़कर 85,267.66 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 148.40 अंक उछलकर 26,046.95 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान धातु और संपत्ति शेयरों में तेजी से बाजार उछला।

निफ्टी मेटल 2.63 फीसदी और निफ्टी रियल्टी 1.53 फीसदी ऊपर आये। निफ्टी ऑटो 0.58 फीसदी , निफ्टी आईटी 0.47 फीसदी , निफ्टी एनर्जी 0.83 फीसदी , निफ्टी इन्फ्रा 1.18 फीसदी उछले। वहीं निफ्टी एफएमसीजी 0.24 फीसदी और निफ्टी मीडिया 0.05 फीसदी नीचे आकर बंद हुए। बाजार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों के कारण तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 705.25 अंक बढ़कर 60,283.30 और

निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 161.90 अंक उडलकर 17,389.15 पर पहुंच गया।

सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अल्ट्राटेक सीमेंट, एलएंडटी, मारुति सुजुकी, भारती एयरटेल, अदाणी पोर्ट्स, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, टाइटन और टीसीएस के शेयरों को लाभ हुआ जबकि एचयूएल, सन फार्मा, आईटीसी, एशियन पेंट्स, पावर ग्रिड, एचसीएल टेक, कोटक महिंद्रा, इन्फोसिस और एसबीई के शेयर गिरे। इससे पहले आज सुबह भारतीय शेयर बाजार की अच्छी शुरुआत रही। सेंसेक्स 85,051 अंकों पर मजबूती के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में इसमें तेजी जारी रही और 302.71 अंक की बढ़त के साथ 85,120.84 के स्तर पर पहुंच गया। निफ्टी-50 भी मजबूती के साथ 25,971 अंकों पर खुला। कुछ ही समय में यह 26,000 के महत्वपूर्ण स्तर को पार कर गया।

एसआईपी के जरिए छोटी बचत से बड़े सपने पूरे करें

- 5,000 की एसआईपी करके 18 महीनों में बन जाएं लखपति

नई दिल्ली । आज के दौर में म्यूचुअल फंड में सिस्टेमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) ने निवेशकों के लिए रास्ता आसान बना दिया है। एसआईपी की सबसे बड़ी खासियत यह है कि आप केवल 5,000 रुपए जैसी छोटी राशि से भी निवेश शुरू कर सकते हैं और लंबी अवधि में अच्छा-खासा फंड तैयार कर सकते हैं। जो लोग निवेश की शुरुआत करते हैं, उनका पहला लक्ष्य अक्सर लखपति बनना होता है। पारंपरिक निवेश के तरीकों की तुलना में एसआईपी में रिटर्न ज्यादा होने के कारण यह लक्ष्य जल्दी हासिल किया जा सकता है। उदाहरण के तौर पर, अगर आप हर महीने 5,000 निवेश करते हैं और अनुमानित सालाना रिटर्न 12 फीसदी रहता है, तो 18 महीनों में आपका कुल फंड लगभग 1 लाख रुपए तक पहुंच सकता है। हालांकि म्यूचुअल फंड का वास्तविक रिटर्न बाजार की चाल पर निर्भर करता है। इक्विटी फंड में रिटर्न अधिक होता है, लेकिन जोखिम भी ज्यादा होता है। कम जोखिम वाले फंड में रिटर्न थोड़ी कम होती है, इसलिए लक्ष्य समय के हिसाब से मासिक निवेश बढ़ाना पड़ सकता है। एसआईपी का असली फायदा तब दिखता है जब निवेशक धैर्य रखते हैं और लंबी अवधि तक निवेश जारी रखते हैं। नियमित मासिक निवेश और सही फंड चयन से छोटी बचत भी बड़ा फंड बना सकती है।

नवंबर में रूसी तेल निर्यात में अमेरिकी प्रतिबंधों के प्रभाव से भारी गिरावट

मॉस्को का राजस्व घटकर 11 अरब डॉलर पहुंचा

नई दिल्ली ।

अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (आईईए) ने बताया कि अमेरिकी प्रतिबंधों और उनके संभावित प्रभावों के डर से नवंबर में रूसी तेल निर्यात में भारी गिरावट आई। कुल निर्यात लगभग 6.9 मिलियन बैरल प्रति दिन रह गया, जो पिछले महीने की तुलना में 420,000 बैरल प्रति दिन कम है। इस गिरावट के चलते रूस का तेल राजस्व 11 अरब डॉलर रह गया, जो पिछले साल की तुलना में 3.6 अरब डॉलर कम है। रूस के यूराल कच्चे तेल की कीमतें 43.52 डॉलर प्रे ति बैरल तक गिर गईं, यानी 8.2 डॉलर प्रे ति बैरल की कमी। अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अतिरिक्त शुल्क लगाए हैं, जैसे भारत पर 25 प्रतिशत शुल्क, जिससे खरीदारों पर दबाव और बढ़ा। आईईए के अनुसार नवंबर में वैश्विक तेल आपूर्ति में 610,000 बैरल प्रति दिन की गिरावट दर्ज की गई। गिरावट में मुख्य योगदान ओपेक देशों (80 फीसदी) का रहा, जबकि अमेरिका, ब्राजील और जैव ईंधन उत्पादकों ने भी आपूर्ति कम करने में भूमिका निभाई। ईरान का उत्पादन 1.9 मिलियन बैरल प्रे ति दिन स्थिर रहा। आईईए ने भविष्यवाणी की है कि 2025 में वैश्विक तेल आपूर्ति 3 मिलियन बैरल प्रे ति दिन बढ़ेगी और 2026 में यह वृद्धि 2.4 मिलियन बैरल प्रे ति दिन होगी।

2026 में वैश्विक मांग 860,000 बैरल प्रे ति दिन रहने का अनुमान है। मांग में वृद्धि का आधा हिस्सा गैसोलीन और जेट या केरोसिन से आएगा, जबकि ईंधन तेल की मांग घटती रहेगी। रूसी तेल पर यूरोपीय संघ के आगामी प्रतिबंधों और रिफाइनरी ठप होने की वजह से उत्पाद क्रैक और रिफाइनिंग मार्जिन तीन साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गए हैं।

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM AJAYKUMAR GAVIT TO AJAY GAVIT AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM NIKULIA DHARMISTHABEN LALJIBHAI TO NIKULIYA DHARMISTHABEN LALJIBHAI AS PER DOCUMENT

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY NAME FROM SHUBHAM PATIL TO **NEW NAME SHUBHAM SURESH PATIL** AS PER MY DOCUMENTS. I WILL BE KNOWN AS MY **NEW NAME - SHUBHAM SURESH PATIL.**

CHANGE OF NAME

I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM POONAM MAHENDAR SINGH TO **NEW NAME NATHAWAT POONAMKEWAR MAHENDRASINGH** AS PER MY DOCUMENTS AND I WILL BE KNOWN BY **MY NEW NAME - NATHAWAT POONAMKEWAR MAHENDRASINGH.**

CHANGE OF NAME

OLD NAME :- ISHITA
NEW NAME :- ISHITA RAJESH GARAI
ADD:- FLAT NO. 302, DMC NO 14/148/T-2, 3RD FLR, GITANJALI APT, SAI KRIPA SOCIETY NO.4, MASHAL CHOWK, AIRPORT ROAD, KATHIRIA, NANI DAMAN - 396210

लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाकर राहुल गांधी ने कहा, सरकार प्रदूषण रोकने का प्लान बनाए

नई दिल्ली(ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को लोकसभा में वायु प्रदूषण का मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि हमारे देश के ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चपेट में हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। राहुल ने कहा कि यह एक अहम मुद्दा है। मुझे पूरा यकीन है कि सरकार और हमारे बीच इस मामले पर एक सहमति होगी। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि प्रदूषण के कारण देश के लोगों को जो नुकसान हो रहा है, उस पर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे। इसके जवाब में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- सरकार ने पहले दिन से ही अपना रुख साफ कर दिया था कि हम सभी अहम मामलों पर चर्चा करने के लिए तैयार हैं। सरकार कांग्रेस और अन्य विपक्षी पार्टी के नेताओं से सुझाव लेने के लिए भी तैयार है। **एकदूसरे पर दोषारोपण के बजाय, जनता के बारे में बात करते हैं** राहुल गांधी ने लोकसभा में कहा- मुझे लगता है कि बेहतर होगा कि हम चर्चा को इस बात पर केंद्रित न करें कि हम क्या नहीं कर पाए और आप क्या नहीं कर पाए, बल्कि सीधे इस बात पर ध्यान दें कि हम भविष्य में भारत की जनता के लिए क्या करने जा रहे हैं, हमें कौन से कदम उठाने होंगे। राहुल ने कहा- मेरा मानना ??है कि हम एक-दूसरे पर दोषारोपण करने के बजाय, इस एक मुद्दे पर (प्रदूषण), जिस पर हम सहमत हैं, कोई असहमति नहीं है, चर्चा करें। चलिए, भारत की जनता के भविष्य के बारे में बात करते हैं। **लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे,** राहुल ने कहा कि हमारे ज्यादातर बड़े शहर जहरीली हवा की चादर के नीचे जी रहे हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रसित हो रहे हैं। उनका भविष्य नष्ट हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक अहम मुद्दा है। मुझे यकीन है कि इस मामले पर चर्चा के लिए सरकार और हमारे बीच पूर्ण सहमति होगी। राहुल ने आगे कहा, यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है। इस सदन में मौजूद हर सदस्य इस बात से सहमत होगा कि वायु प्रदूषण और इससे हमारे लोगों को होने वाला नुकसान ऐसी चीज है जिसपर हम सभी मिलकर काम करना चाहेंगे। **राहुल ने कांग्रेस सांसदों से संसद में पार्टी परफॉर्मेंस पर चर्चा की,** राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद भवन के एनेक्स एक्सटेंशन बिल्डिंग में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठक की। इसमें संसद के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सांसदों के परफॉर्मेंस की समीक्षा हुई। कांग्रेस नेता और पूर्व केंद्रीय गृह मंत्री शिवराज पाटिल के निधन पर शोक प्रस्ताव भी पारित किया गया। कांग्रेस की इस मीटिंग में पार्टी के सभी दिग्गज सांसद पहुंचे, लेकिन केरल से पार्टी के सांसद शशि थरूर शामिल नहीं हुए। इससे पहले 30 नवंबर को कांग्रेस की एक स्ट्रैटजिक मीटिंग में भी थरूर शामिल नहीं हुए थे। तब थरूर ने अपनी सफाई में कहा था कि वे अपनी 90 साल की मां के साथ थे।

कांग्रेस सांसदों की बैठक में शशि थरूर नहीं पहुंचे

सदन की कार्रवाई शुरू होने से पहले राहुल ने शुक्रवार को संसद भवन के एनेक्स एक्सटेंशन बिल्डिंग में कांग्रेस सांसदों के साथ बैठक की। इसमें शीतकालीन सत्र में कांग्रेस सांसदों के परफॉर्मेंस की समीक्षा हुई। हालांकि, केरल से पार्टी के सांसद शशि थरूर बैठक में शामिल नहीं हुए। इससे पहले 30 नवंबर को कांग्रेस की एक स्ट्रैटजिक मीटिंग में भी थरूर शामिल नहीं हुए थे। तब थरूर ने अपनी सफाई में कहा था कि वे अपनी 90 साल की मां के साथ फ्लाइट में थे। इसलिए बैठक में शामिल नहीं हो पाए।

डिजिटल अरेस्ट ठगी से लाखों परिवारों के जीवन में अंधकार

मनोज कुमार अग्रवाल

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है।

लाखों लोगों व परिवारों के जीवन भर की कमाई को डिजिटल अरेस्ट के जरिए लूट कर उनके जीवन में अंधेरा कर दिया गया। यह कैसी विडंबना है कि जब तक देश में कथित डिजिटल अरेस्ट के नाम पर अनुमानित तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक ठगी की जा चुकी है, कई लोग अपनी जान गवां चुके हैं, की साल से यह सिलसिला जारी है तब सरकार और जिम्मेदार सिस्टम की नींद खुली है और अपराधियों पर शिकंजा कसने की बड़ी मुहिम शुरू हो पा रही है। वह भी सरकार के बजाय शीर्ष अदालत की पहल पर।

इन दिनों देश में डिजिटल अरेस्ट के कई मामले लगातार सामने आ रहे हैं. सरकार के तमाम प्रयास के बावजूद डिजिटल अरेस्ट के कारण बुजुर्गों बड़ी संख्या में ठगी का शिकार हो रहे हैं. सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को डिजिटल अरेस्ट मामलों पर सुनवाई करते हुए सख्त रुख दिखाते हुए कहा कि इस मामले में अदालत जरूरी निर्देश जारी करेगी. न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायाधीश जयमाला बागची की पीठ ने सुनवाई करते हुए कहा कि हर हैरानी की बात है कि देश में पीड़ितों से लगभग 3000 करोड़ रुपये डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगे जा चुके हैं. यह सब हमारे देश में ही हो रहा है. अगर हम इस मामले में ठोस और सख्त आदेश नहीं देंगे तो समस्या और गंभीर हो जाएगी.

आपको बता दें कि पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट पर गंभीर चिंता जताते हुए सीबीआई को निर्देश दिए हैं कि वह अन्य साइबर अपराधों की जांच बाद में करें, डिजिटल अरेस्ट की जांच को अपनी प्राथमिकता बनाए। कोर्ट ने केंद्रीय बैंक से पूछा है कि क्या एआई की मदद से साइबर ठगों के खाते फ्रीज हो सकते हैं? कोर्ट ने सीबीआई से कहा है कि यदि किसी गंभीर डिजिटल अपराध का दायरा भारत से बाहर को सीमा में हो तो वह इंटरपोल की मदद ले सकती है। दुखद है कि साइबर अरेस्ट के मामलों में सबसे अधिक निशाना बुजुर्गों को ही बनाया जाता है, जिन्हें डिजिटल लेन-देन को गंभीर जानकारी नहीं होती। बुजुर्गों को निशाना बनाने का यह प्रतिशत 78 से 82 फीसदी बताया जाता है। कई जगह यह प्रतिशत 99 फीसदी तक है। वहीं जनवरी से अप्रैल 2024 में साइबर धोखाधड़ी और डिजिटल अरेस्ट के 46 फीसदी मामलों के तार म्यांमार, कंबोडिया और लाओस जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों से जुड़े रहे हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में डिजिटल गिरफ्तारी साइबर अपराध के सबसे कुटिल रूप में बनकर उभरी है। यह अपराध न केवल देश की वित्तीय सुरक्षा और स्थिरता के लिये, बल्कि कानून प्रवर्तन तंत्र में जनता के विश्वास के लिये भी बड़ा खतरा है। ऐसे में कहा जा सकता है कि इन घोटालों की देशव्यापी जांच सीबीआई को सौंपने का सर्वोच्च न्यायालय का निर्णय समय के अनुरूप सार्थक हस्तक्षेप है। इसी क्रम में कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे अपने अधिकार क्षेत्र में अपराधों की जांच के लिये सीबीआई को सहमति दें। दरअसल, न्यायालय ने इस हकीकत को

स्वीकार किया है कि साइबर अपराधी राज्यों की सीमाओं का लाभ उठाते हैं। वहीं दूसरी ओर टुकड़ों-टुकड़ों में जांच सीमा पार के साइबर अपराधियों के नेटवर्क को बढ़ावा देती है दरअसल, साइबर अपराधी डिजिटल अरेस्ट के जरिये भोले-भाले लोगों व बुजुर्गों को निशाना बनाते हैं। वे कानून प्रवर्तन अधिकारी पुलिस और जज बनकर मोटी रकम देने के लिये उन्हें ब्लेकमेल और आर्तंकित करते हैं।हालांकि अदालत ने कहा कि इस मामले से निपटने के लिए कठोर कदम उठाना जरूरी हो गया है. सुनवाई के दौरान केंद्र सरकार का पक्ष रखते हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि गृह मंत्रालय ने एक अलग यूनिट की स्थापना की है और इस मामले से निपटने के लिए विभिन्न विभागों के साथ समन्वय बनाया जा रहा है. साथ ही डिजिटल अरेस्ट से निपटने के लिए कई अन्य कदम उठाए गए हैं. डिजिटल अरेस्ट को लेकर हुई सुनवाई को लेकर केंद्रीय गृह मंत्रालय और सीबीआई ने सीलबंद लिफाफे में सुप्रीम कोर्ट में रिपोर्ट सौंपी. केंद्र सरकार की ओर से पेश दलील के सुनने के बाद अदालत ने कहा कि मामला काफी गंभीर है और इस मामले में अदालत उचित आदेश पारित करेगी. मामले की अगली सुनवाई 10 नवंबर को होगी. गौरतलब है कि एक वरिष्ठ नागरिक दंपति ने पिछले महीने सुप्रीम कोर्ट के पत्र लिखकर बताया था कि 1 से 16 सितंबर के बीच उनसे 1.5 करोड़ रुपए की ठगी सीबीआई, इंटेलिजेंस ब्यूरो तो कभी न्यायपालिका के अधिकारी बनकर की गयी. धोखेबाजों ने फोन और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संपर्क किया और गिरफ्तारी का डर दिखाकर पैसे वसूलने का काम किया. इतना ही नहीं उन लोगों ने सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेश दिखाए. मामला सामने आने के बाद अंबाला में दो एफआईआर दर्ज की गयी. जांच में पाया गया कि वरिष्ठ नागरिकों को ठगी का शिकार बनाने के लिए संगठित गिरोह काम कर रहा है. अदालत ने 17 अक्टूबर को इस मामले में स्वतः संज्ञान लेते हुए मामले की सुनवाई शुरू की और केंद्र सरकार और सीबीआई से जवाब देने को कहा. अदालत ने इस मामले में अटार्नी जनरल से भी सुझाव लेने का आदेश दिया.

उल्लेखनीय है कि हरियाणा के एक बुजुर्ग दंपति से एक करोड़ रुपये कीठगी के बाद अदालत ने इस व्यापक समस्या का स्वतः संज्ञान लिया। उन्हें धमकाने के लिये सुप्रीम कोर्ट के फर्जी आदेशों का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद परेशान करने वाली स्थिति है कि साइबर अपराधी सार्वजनिक संस्थाओं के प्रति लोगों के विश्वास को खतरे में डाल रहे हैं।तभी शीर्ष अदालत ने महसूस किया कि अब पानी सिर के ऊपर से गुजरने लगा है, देश की केंद्रीय एजेंसी को इस मामले की तह तक तुरंत पहुंचना चाहिए।

उल्लेखनीय है कि सीबीआई को डिजिटल अरेस्ट के मामलों में एफआईआर दर्ज करने और धोखाधड़ी से जुड़े बैंक खातों को फ्रीज करने की पूरी छूट दी गई है। साथ ही भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत बैंक अधिकारियों की कथित मिलीभगत की जांच का अधिकार भी दिया गया। इसके अलावा दूरसंचार विभाग को भी सिम कार्ड के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने के लिये कहा गया है। निश्चित रूप से कोर्ट की सार्थक पहल के बाद यदि ये सभी उपाय सिरे चढ़ते हैं तो इस गंभीर अपराध के खिलाफ एक राष्ट्रीय प्रतिक्रिया दे पाना संभव होगा। कोर्ट ने विश्वास जताया है कि केंद्रीय एजेंसी बिना किसी भय या पक्षपात के जिम्मेदारी से अपने दायित्वों का निर्वहन करेगी। इसमें राज्य सरकारों की सक्रियता व सजगता भी सीबीआई को अपराध की तह तक पहुंचने में मददगार साबित हो सकती है। यह भी जरूरी है कि एजेंसी की कार्रवाई में लालफीताशाही और राजनीतिक हस्तक्षेप न हो। इसके साथ ही नागरिकों को भी ऐसे अपराधों के प्रति सजग रहना होगा। जागरूकता सतर्कता उन्हें अपराधियों के चंगुल में फंसने से बचा सकती है। ऐसी किसी कॉल के आने पर उन्हें रुककर विचार करना चाहिए और हड़बड़ी में बैंक से जुड़ी कोई जानकारी देने से बचना चाहिए। ठग खुद को केंद्रीय एजेंसियों या पुलिस विभाग का अधिकारी बताकर पीड़ितों को फर्जी आरोपों में फंसाने की धमकी देते थे। इसके बाद डिजिटल अरेस्ट का भय दिखाकर उनसे बैंक खातों से बड़ी रकम ट्रांसफर कराई जाती थी। साइबर सेल और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में अब तक 35 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये आरोपी गुजरात, उत्तर प्रदेश, झारखंड, मध्यप्रदेश, दिल्ली और छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों से पकड़े गए हैं। राजनांदगांव की 79 वर्षीय शीला सुवाल को आरोपितों ने सीबीआई अधिकारी और जज बनकर वीडियो कॉल के माध्यम से डराया। मनी लॉन्डिंग केस में फांसाने की धमकी दी। निर्दोष साबित करने रकम जज के खाते में ट्रांसफर करने को कहा। महिला ने उगों के बताए गए विभिन्न खातों में 79,69,047 रुपये ट्रांसफर कर दिए। एक अन्य मामले में ठगों ने फारेक्स व ट्रेडिंग विशेषज्ञ बताकर व्यापारी को फर्जी ऑनलाइन ट्रेडिंग साइट का लिंक भेजा। पहले 15 हजार का छोटा मुनाफा देकर व्यापारी का विश्वास हासिल किया, फिर बड़े मुनाफे का लालच देकर 1,21,53,590 रुपये निवेश के नाम पर जमा कराए। दोनों मामलों में तीन आरापितों को पकड़ा गया है। पुलिस का कहना है कि अधिकांश मामलों में उप विदेशी कॉल सेंटरों की तरह काम करते हुए इंटरनेट कालिंग और फर्जी दस्तावेजों का उपयोग करते थे। अधिकारियों का कहना है कि किसी भी संदिग्ध काल या डिजिटल अरेस्ट जैसी धमकियों पर विश्वास न करें और तुरंत साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराएं। सुप्रीम कोर्ट ने सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इंवेस्टिगेशन को देशभर से सामने आए डिजिटल अरेस्ट के मामलों की पैन इंडिया जांच की जिम्मेदारी सौंपी है। सोमवार को सुनवाई के दौरान सीजेआई ने सभी राज्यों को डिजिटल अरेस्ट मामलों की जांच में सीबीआई की मदद करने के भी निर्देश दिए। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा- डिजिटल अरेस्ट तेजी से बढ़ता साइबर क्राइम है। इसमें ठग खुद को पुलिस, कोर्ट या सरकारी एजेंसी का अधिकारी बताकर वीडियो ऑडियो कॉल के जरिए पीड़ितों, खासकर सीनियर सिटिजन को धमकाते हैं और उनसे पैसे वसूलते हैं। सीजेआई सूर्यकांत की बेंच ने रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नोटिस जारी कर पूछा कि साइबर ठगी में उपयोग हो रहे बैंक खातों को तुरंत ट्रैक और फ्रीज करने के लिए एआई और मशीन लर्निंग तकनीक का उपयोग क्यों नहीं किया जा रहा। इससे पहले 3 नवंबर की सुनवाई में एससी ने कहा था कि डिजिटल अरेस्ट मामलों में लगभग 3 का पता चला है।

अभी तक डिजिटल अरेस्ट कर कोई सख्त कार्रवाई नहीं की गई है आज भी लगातार ऐसी घटनाएं सामने आ रहीं हैं जिनमे लोगों को मोबाइल काल पर तरह तरह से धमका कर पैसा ठगी किया जा रहा है लोग जीवन भर की खून पसीने की कमाई चंद मिनटों में गंवा कर सुसाइड करने के लिए विवश हो रहे हैं। सरकार को ऐसे अपरोक्ष हत्यारों ठगों पर सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं)

संपादकीय

भारत और रूस की दोस्ती असीमित

कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? उधर रूस और चीन के हित एक दूसरे के संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। नई दिल्ली आने से ठीक पहले व्लादीमीर पुतिन ने भारत- रूस के संबंध के बारे में अपना टेम्पलेट सामने रखा है। उन्होंने संदेश दिया कि वे भारत से वैसी ही 'असीमित दोस्तीइ चाहते हैं, जैसी उन्होंने चीन के स्थापित की है। पुतिन ने कहा- ह्यचीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ हमने आर्थिक मुद्दों पर ठोस वार्ता कायम की है। भारत यात्रा के दौरान हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इन मुद्दों पर विस्तार से बातचीत करेंगे। इनमें रूसी बाजार में भारतीय उत्पादों का आयात बढ़ाना भी शामिल है।

यही संदेश देने के लिए क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने भारतीय पत्रकारों से ऑनलाइन बातचीत की। उन्होंने कहा- 'हमारा चीन के साथ असीमित सहयोग बना है। भारत के बारे में भी हमारा वही रुख है। रूस वहां तक जाने को राजी है, जहां तक भारत तैयार हो। पेस्कोव ने संकेतों में यह भी कहा कि भारत को रूस से अपने संबंध तय करने में अमेरिकी हस्तक्षेप का ख्याल नहीं करना चाहिए। उन्होंने एस-400 मिसाइल रक्षा प्रणाली और सुखोई-57 लड़ाकू विमान भारत को बेचने की पेशकश की। उम्मीद जताई भारत रूस से कच्चा तेल खरीदता रहेगा। मगर भारत में चिंता यह है कि ये रूसी मंशाएं पूरी हुईं, तो उसका खराब असर अमेरिका से रिश्तों पर पड़ेगा। फिर बढ़ते व्यापार घाटे की भारत की अपनी चिंताएं भी हैं।

भारत इस समय रूस को जितना निर्यात करता है, उससे लगभग 17 गुना ज्यादा आयात कर रहा है। इसके अलावा अप्रैल 2000 से सितंबर 2025 तक भारत में प्रत्यक्ष रूसी निवेश महज 1.33 बिलियन डॉलर का हुआ, जबकि रूस में 12.8 बिलियन डॉलर का भारतीय निवेश हुआ है। तो कुल मिला कर द्विपक्षीय संबंध रूस के पक्ष में बेहद झुका हुआ है। उसका क्या समाधान पुतिन पेश करेंगे? दरअसल, रूस और चीन के हित संपूरक बने हुए हैं, जबकि यह पहलू भारत के नजरिए एक समस्या है। इस कारण भारत- चीन विवाद में रूस निष्पक्ष रुख लेने की स्थिति में नहीं रह गया है। ये सारे वो पेच हैं, जिन्हें खोले बिना भारत और रूस की दोस्ती शायद असीमित रूप ना ले पाए।

चिंतन-मनन

सबसे बड़ा दरिद्र

सिंहगढ़ राज्य की सीमा के पास एक गांव सोनपुर में एक महात्मा अपने दो शिष्यों के साथ आ पहुंचे। वहां की शांति और हरियाली देख कुछ दिन वे वहीं ठहर गए। एक दिन महात्मा जी जब भिक्षा मांगने जा रहे थे, सड़क पर एक सिक्का दिखा, जिसे उठाकर उन्होंने झोली में रख लिया। दोनों शिष्य इससे हैरान थे। वे मन में सोच रहे थे कि काश सिक्का उन्हें मिलता, तो वे बाजार से मिठाई ले आते। महात्मा जी भांप गए। बोले-यह साधारण सिक्का नहीं है, मैं इसे किसी सुपात्र को दूंगा। पर कई दिन बीत जाने के बाद भी उन्होंने सिक्का किसी को नहीं दिया। एक दिन महात्मा जी को खबर मिली कि सिंहगढ़ के महाराज अपनी विशाल सेना के साथ उधर से गुजर रहे हैं। महात्मा जी ने शिष्यों से कहा, वत्स! सोनपुर छोड़ने की घड़ी आ गई। शिष्यों के साथ महात्मा जी चल पड़े। तभी राजा की सवारी आ गई। मंत्री ने राजा को बताया कि ये महात्मा जा रहे हैं। बड़े ज्ञानी हैं। राजा ने हाथी से उतर कर महात्मा जी को प्रणाम किया और कहा, कृपया मुझे आशीर्वाद दें। महात्मा जी ने झोले से सिक्का निकाला और राजा की हथेली पर उसे रखते हुए कहा, हे सिंहगढ़ नरेश, तुम्हारा राज्य धन-धान्य से संपन्न है। फिर भी तुम्हारे लालच का अंत नहीं है। तुम और पाने की लालसा में युद्ध करने जा रहे हो। मेरे विचार में तुम सबसे बड़े दरिद हो। इसलिए मैंने तुम्हें यह सिक्का दिया है। राजा इस बात का मतलब समझ गए। उन्होंने सेना को वापस चलने आदेश दिया।

पोक्सो मामलों की बढ़ती लंबितता भारत के समक्ष बढ़ता गंभीर संकट

कांतिलाल मांडोत

भारत एक सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और नैतिक मूल्यों वाला देश माना जाता है जहाँ बच्चों को देवतुल्य समझने की परंपरा रही है। किंतु यह अत्यंत पीड़ादायक सत्य है कि आज इसी देश में नाबालिगों के खिलाफ अपराधों की संख्या निरंतर बढ़ रही है और उससे भी बड़ी चिंता का विषय यह है कि इन मामलों का निपटारा वर्षों तक अधर में लटका रहता है। पोक्सो यानी लैंगिक अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम का उद्देश्य बच्चों को यौन अपराधों से सुरक्षा और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है, लेकिन वर्तमान स्थिति इसके ठीक विपरीत तस्वीर पेश करती है। आंकड़े बताते हैं कि देश में पोक्सो के 35 हजार से अधिक मामले वर्षों से लंबित चल रहे हैं और न्याय की प्रक्रिया पीड़ितों व उनके परिवारों के लिए एक असहनीय इंतजार बन गई है।2023 तक लंबित मामलों का जो विवरण सामने आया है, वह किसी भी समाज और शासन के लिए चिंता का गंभीर संकेत है। उत्तर प्रदेश में 10,556 मामले लंबित हैं जो देश में सबसे अधिक हैं। महाराष्ट्र 7,962 लंबित मामलों के साथ दूसरे स्थान पर है। तमिलनाडु में 1,910, मध्यप्रदेश में 1,736, छत्तीसगढ़ में 375 और राजस्थान में 224 मामले अभी भी न्याय की प्रतीक्षा में हैं। बिहार में 1,079, झारखंड में 415, पंजाब में 152, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश दोनों में 101, चंडीगढ़ में 16 और उत्तराखंड में 374 मामलों की लंबितता भी यही सिद्ध करती है कि न्यायिक प्रक्रिया के बोझ ने पीड़ितों के लिए न्याय की राह लंबी और कठिन बना दी है। यह स्थिति बताती है कि देश में पोक्सो कानून का उद्देश्य जितनी तेजी से पूरा होना चाहिए था, उससे बहुत दूर है।

केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुनलाल मेघवाल ने बताया है कि देश में कुल 773 फास्ट ट्रैक स्पेशल कोर्ट कार्यरत हैं जिनमें से 400 कोर्ट विशेष रूप से पोक्सो मामलों के लिए बनाए गए हैं। इन अदालतों ने अब तक 3.5 लाख से अधिक मामलों का निपटारा किया है जो निश्चित रूप से एक उपलब्धि है, लेकिन उसके बावजूद हजारों मामले अभी भी अधूरे पड़े हैं। यह दशार्ता है कि केवल अदालतों की संख्या बढ़ा देना समाधान नहीं है। न्याय प्रक्रिया में पुलिस, अभियोजन, मेडिकल रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच, गवाही और साक्ष्य संकलन जैसे कई चरण होते हैं और इनमें होने वाली देरी पोक्सो मामलों की लंबितता को बढ़ाती रहती है।

एनसीआरबी के आंकड़ों के अनुसार देश में हर तीन मिनट में एक बच्चा अपराध का शिकार बनता है और हर आठ मिनट में एक पोक्सो का मामला दर्ज होता है। इन आंकड़ों में बीते दो वर्षों के भीतर ही तेजी से वृद्धि दर्ज की गई है जो सामाजिक व प्रशासनिक दोनों स्तरों पर चेतावनी का इशारा है। 2021 से 2025 के बीच कुल 1,31,692 पोक्सो मामले दर्ज किए गए। वहीं सबसे कम मामले मिजोरम, नागालैंड, लद्दाख और अंडमान निकोबार जैसे क्षेत्रों में सामने आए हैं।

एक चिंताजनक पहलू यह भी है कि कई मामलों में अपराध की प्रकृति इतनी संवेदनशील होती है कि बच्चे मानसिक रूप से टूट जाते हैं। उदाहरण के तौर पर बॉम्बे हाईकोर्ट की नागपुर बेंच ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय सुनाया जिसमें कहा गया कि किसी नाबालिग लड़की का हाथ पकड़ना और उसे पैसे देकर यौन संबंध का प्रस्ताव देना भी पोक्सो एक्ट के तहत दंडनीय अपराध है। यह फैसला यवतमाल जिले की घटना पर आया जिसमें एक 13 वर्षीय बच्ची से आरोपी ने दो बार यौन इरादे से संपर्क किया था। अदालत ने आरोपी को सश्रम कैद की सजा सुनाई। यह फैसला स्पष्ट करता है कि अदालतें कानून की भावना के अनुरूप सख्त दृष्टिकोण अपना रही हैं, लेकिन मामलों की संख्या में निरंतर वृद्धि और उनके निपटारे में देरी स्थिति को गंभीर बनाती जा रही है। लंबित मामलों का सबसे बड़ा कारण पुलिस जांच की धीमी गति, मेडिकल व फोरेंसिक रिपोर्ट में देर, गवाहों का न मिल पाना, पीड़ित परिवारों का दबाव में आ जाना और अदालतों में पर्याप्त संसाधनों का अभाव है। कई बार परिवार सामाजिक भय के कारण बयान देने से पीछे हट जाते हैं। ग्रामीण इलाकों में यह समस्या और अधिक गंभीर होती है जहाँ पीड़ितों को न्याय पाने के लिए सामाजिक प्रताड़ना भी सहनी पड़ती है।

कर्ज, कर और कुशासन का त्रिकोण!

सोनम लववंशी

हिमाचल प्रदेश की राजनीति और प्रशासनिक दिशा जिस मोड़ पर खड़ी है, वहाँ पिछले तीन वर्षों की सरकारी कार्यशैली राज्य की पीढ़ियों पर गहरा असर छोड़ती दिखाई देती है। 11 दिसंबर 2025 को सुक्खू सरकार अपने तीन वर्ष पूरे कर रही है, किंतु इस दौरान एक पहले से संतुलित और स्थिर राज्य ऐसा ढलान महसूस कर रहा है जिसकी कल्पना भी हिमाचल जैसे शांत प्रदेश के लोगों ने न की थी। वित्तीय संकट, अव्यवस्थित नीतियाँ, ध्वस्त प्रशासनिक ढांचा, बढ़ती बेरोजगारी, आपदा प्रबंधन की विफलता और उद्योगों का पलायन। इन सभी ने मिलकर हलचल भरी स्थिति पैदा कर दी है जिस पर अब न केवल विपक्ष, बल्कि आम नागरिक भी गंभीर सवाल उठा रहे हैं। आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार बेरोजगारी दर 4.4 फीसदी तक पहुँच चुकी है, जबकि 15-29 आयु वर्ग में स्थिति भयावह दिखती है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय के सर्वेक्षण के मुताबिक राज्य का हर तीसरा युवा नौकरी से वंचित है। अप्रैल-जून 2025 की तिमाही मां युवा बेरोजगारी 29.6 प्रतिशत दर्ज की गई जो राष्ट्रीय औसत 14.6 प्रतिशत से दुगुनी रही। यह आँकड़ा सिर्फ बेरोजगारी नहीं दशार्ता, बल्कि यह उस टूटते विश्वास का दस्तावेज बनता जा रहा है जिसके सहारे युवाओं ने '5 लाख नौकरियों' जैसी घोषणाओं को एक उम्मीद की तरह स्वीकार किया था। राजनीतिक आश्वासन जितनी आसानी से दिए गए, उतनी ही तेजी से खोखले साबित हुए और अब इन्हें युवा पीढ़ी राजनीतिक भाषणों की एक औपचारिक रस्म के रूप में देखने लगी है।

दरअसल राज्य की औद्योगिक स्थिति भी लगातार कमजोर हो रही है। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार पिछले तीन वर्षों में बिजली दरों में तेज वृद्धि देखने को मिली। ऐसी फैक्ट्रियों का बिजली बिल जो पहले लगभग 25 लाख रुपये आता था, अब 50 लाख रुपये से भी ऊपर पहुँच गया है। ऊर्जा लागत में इस असंतुलन ने उद्योगपतियों का मनोबल तोड़ दिया है और वे क्रमशः अन्य राज्यों का रुख कर रहे हैं जहाँ नीतियाँ स्थिर और उद्योग-अनुकूल मानी जाती हैं। यह पलायन हिमाचल की अर्थव्यवस्था पर दोहरा प्रहार कर रहा है। रोजगार घट रहा है और राजस्व में गिरावट आ रही है। पर्यटन और कृषि पर अधिक निर्भर रह चुके हिमाचल ने बीते वर्षों में औद्योगिकीकरण की दिशा में एक स्थिर आधार बनाने की कोशिश की थी, किंतु वर्तमान परिस्थितियों ने उस बनती संरचना को लगभग ध्वस्त कर दिया है। वित्तीय अव्यवस्था का हाल यह है कि सरकार अपनी कर्ज सीमा पूरी कर चुकी है। वर्ष 2025 में पहले से लिए गए 7,200 करोड़ रुपए के भारी कर्ज के बाद और 350 करोड़ रुपए की माँग नई दिशा दिखाने के बजाय इस बात का प्रतीक बनती है कि विकास योजनाएँ ठप हैं और पूरा ढांचा कर्ज पर निर्भर होता जा रहा है। करोड़ों की पुनरावृत्ति जिस सहजता से हो रही है, उससे स्पष्ट संकेत मिलता है कि सरकार के पास राजस्व बढ़ाने की ठोस रणनीति नहीं है। नीतिगत अनिर्णय ने राज्य की आर्थिक रीढ़ कमजोर कर दी है और जनता पर टैक्स बढ़ाकर बोझ डाला जा रहा है। दूध पर 0.10 पैसे का सेस, बिजली पर पर्यावरण सेस, डीजल की ऊँची कीमतें और 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना का समाप्त होना। इन सबने मध्यवर्गीय परिवारों की कमर तोड़ दी है।

चुनावी वादों का हश्र भी जनता के सामने खुल चुका है। महिलाओं के लिए 1,500 रुपए मासिक भत्ता, 300 यूनिट मुफ्त बिजली और 5 लाख नौकरियों जैसे वादे अब तक लागू न हो सके। स्वयं सूबे की सरकार के मंत्रियों ने स्वीकार किया कि 'फंड उपलब्ध नहीं है,' जो यह दशार्ता है कि गारंटियाँ बिना वित्तीय विश्लेषण और बिना दीर्घकालिक योजना के घोषित की गई थीं। इस स्वीकारोक्ति के बाद हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की राजनीतिक विश्वसनीयता को गंभीर चोट पहुँची है। इतना ही नहीं इन तीन वर्षों में अपराध और नशा तस्करी की स्थिति तेजी से बिगड़ी है। हिमाचल का शांत पहाड़ी क्षेत्र अब 'ड्रग कॉरिडोर' के रूप में चर्चा में आ रहा है। पिछले तीन वर्षों में 5,000 से अधिक नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनपीडीएस) के मामले दर्ज हुए, जबकि पूरे प्रदेश में केवल 5 नशामुक्ति केंद्र हैं। यह संख्या समस्या की गंभीरता की तुलना में अत्यंत कम है। नशे का विस्तार न केवल कानून व्यवस्था की कमजोरी दिखाता है, बल्कि यह युवा पीढ़ी के स्वास्थ्य, सामाजिक ढाँचे और परिवारों की स्थिरता को गहरी क्षति पहुँचा रहा है। सूबे की आपदा प्रबंधन की स्थिति भी किसी परीक्षा में असफल छात्र जैसी दिखती है। 2025 में कमजोर पहाड़ियों पर अवैध निर्माण, न्यायालयों की चेतावनियों की अनदेखी और खराब प्रशासनिक योजना के कारण 300 से अधिक लोगों की जान गई और लगभग 2,600 करोड़ रुपए का भारी नुकसान हुआ। केंद्र सरकार द्वारा जारी 2,006 करोड़ रुपए की राहत राशि का उपयोग भी सुस्त प्रशासनिक कार्रवाइयों के चलते प्रभावी ढंग से नहीं हो सका। राहत वितरण, पुनर्वास, सड़क और पुलों की मरम्मत, सब कुछ कागजी फाइलों तक सीमित रह गया और जनता अपनी पीड़ा में अकेली खड़ी रही।

इन सबके बीच राज्य का राजनीतिक नेतृत्व एक-दूसरे पर आरोप मढ़ने में व्यस्त रहा। इस टकराव ने प्रशासन में ठहराव पैदा किया, जिसके चलते सरकारी मशीनरी जमी हुई दिखी। एक मजबूत और स्थिर शासन मॉडल पर आधारित हिमाचल, जिसे कभी शांतिपूर्ण, स्वच्छ और व्यवस्थित प्रशासन के लिए जाना जाता था, आज देश के उन प्रदेशों की सूची में शामिल हो रहा है जो आर्थिक और प्रशासनिक अव्यवस्था से जूझ रहे हैं। इन तीन वर्षों की तुलना जब पूर्ववर्ती शासन से की जाती है, तो कई नागरिक खुलकर कहने लगे हैं कि राज्य बेहतर स्थिति में था। बुनियादी ढाँचे से लेकर वित्तीय अनुशासन तक, अनेक मोर्चों पर वह एक व्यवस्थित दिशा में बढ़ रहा था। आज की स्थिति में लोग यह महसूस कर रहे हैं कि घोषणाओं और वास्तविक क्रियान्वयन के बीच खाई बढ़ती जा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश पिछले 11 वर्षों से विकसित भारत के निर्माण के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। केंद्र का विकास-केन्द्रित दृष्टिकोण, युवा-उन्मुख कार्यक्रम और बुनियादी ढाँचे में तेज सुधार राष्ट्र को नई ऊँचाइयों की ओर ले जा रहे हैं। ऐसे समय में हिमाचल की वर्तमान अव्यवस्थित स्थिति और भी स्पष्ट रूप से सामने आती है क्योंकि राष्ट्रीय प्रगति के बीच राज्य पीछे जा रहा है।

हिमाचल के लोगों ने 2022 में विश्वास के साथ कांग्रेस की गारंटियों को स्वीकार किया था। उन्हें लगा था कि राज्य विकास, रोजगार और स्थिरता की नई दिशा पाएगा। तीन वर्षों की यह यात्रा अब उन्हें ऐसी वास्तविकता दिखा रही है जहां आर्थिक संकट, बढ़ती बेरोजगारी, अपराध, कर्ज और अव्यवस्था ने उम्मीदों को निचोड़ कर रख दिया है। फलस्वरूप हिमाचल आज देश के सबसे कमजोर और सबसे खराब तरीके से संचालित राज्यों की श्रेणी में गिना जा रहा है। राजनीति का अंतिम लक्ष्य जनता की आकांक्षाओं की पूर्ति होता है। यदि शासन जनता के जीवन को सरल बनाने के बजाय बोझ बढ़ाए, वादों को अधूरा छोड़े, युवाओं को बेरोजगारी में धकेले और संसाधनों का दुरुपयोग करे, तो ऐसी सरकार जनता के लिए बोझ बन जाती है। हिमाचल के नागरिक आज उसी बोझ का अनुभव कर रहे हैं। इसके अलावा राज्य की वर्तमान स्थिति केवल राजनीतिक विफलताओं का दस्तावेज नहीं है, यह भविष्य के लिए चेतावनी है। ऐसे में समय आ गया है कि हिमाचल अपनी दिशा सुधारे, शासन सुधार की ओर लौटे और उन मूल्यों को पुनर्जीवित करे जिनकी वजह से यह प्रदेश हमेशा उच्च मानकों वाला माना जाता रहा है।

संक्षिप्त समाचार

रूसी विदेश मंत्री ने भारत की स्वतंत्र विदेश नीति को सराहा

मास्को, एजेंसी। रूस के विदेश मंत्री सर्गेइ लावरोव ने बुधवार को भारत की स्वतंत्र और बहु-आयामी विदेश नीति की खुलकर प्रशंसा की। उन्होंने कहा, भारत वैश्विक मंच पर अपनी नीति स्वयं तय करने वाला देश है और सभी प्रमुख देशों के साथ संतुलित संबंध बनाए रख अंतरराष्ट्रीय कूटनीति में उदाहरण प्रस्तुत कर रहा है। रूस की संसद का उच्च सदन फेडरेशन काउंसिल को संबोधित करते हुए लावरोव ने कहा, वैश्विक दक्षिण के कई देश ऐसी नीति अपना रहे हैं और हमारे अच्छे मित्र भारत ने इसे बेहतरीन तरीके से लागू किया है। भारत सभी पक्षों के साथ संबंध रखता है और यह उसकी मजबूत, स्वतंत्र विदेश नीति का संकेत है। लावरोव ने कहा, रूस अपनी विदेश नीति का मुख्य उद्देश्य घरेलू विकास को बढ़ावा देना मानता है और यह लक्ष्य भारत की रणनीतिक सोच से मेल खाता है। उन्होंने बताया, दोनों देशों के उद्देश्यों व आकलनों की समानता हाल ही में राष्ट्रपति पुतिन की नई दिल्ली यात्रा के दौरान फिर स्पष्ट हुई। दोनों देशों ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 100 अरब डॉलर तक ले जाने के लिए व्यापक आर्थिक सहयोग कार्यक्रम तैयार किया है।

ऑस्ट्रेलिया- हत्यारोपी भारतवंशी को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई

क्वींसलैंड , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड के एक समुद्र तट पर 24 वर्षीय महिला की हत्या के आरोप में भारतीय मूल के एक व्यक्ति को 25 साल की जेल की सजा सुनाई गई है। यह घटना 2018 में हुई थी। केर्न्स स्थित सुप्रीम कोर्ट ने पूर्व नर्स राजविंदर सिंह (41) को टोया कॉर्डिंगली की हत्या का दोषी पाया। न्यायमूर्ति लिंकन क्रॉली ने कहा, सिंह का हत्या का मकसद अज्ञात था और इसे अवसरवादी हत्या करार दिया। सिंह ने यह हत्या उस वक्त की जब कॉर्डिंगली अपने कुत्ते को टहला रही थी। कॉर्डिंगली पोर्ट डगलस में एक स्वास्थ्य खाद्य और फार्मेसी स्टोर में काम करती थीं और एक पशु आश्रय में स्वयंसेवा भी करती थी। हत्या के बाद सिंह भारत भाग गया और ऑस्ट्रेलिया में अपनी पत्नी, बच्चों और माता-पिता को छोड़ गया। जज ने कहा, उसने अपनी पत्नी, माता-पिता और बच्चों को ठीक से बात किए बिना ही देश छोड़ दिया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि उसकी एकमात्र चिंता अपने परिवार के लिए परिणामों की परवाह किए बिना अपनी जान बचाना थी।

थाईलैंड व कंबोडिया सीमा पर लड़ाई थमने के संकेत नहीं, लाखों विस्थापित

बैंकॉक, एजेंसी। थाईलैंड और कंबोडिया के बीच सीमा पर फिर से शुरू हुई लड़ाई थमने के बुधवार को भी कोई संकेत नहीं दिखे, बल्कि कंबोडिया के सीनेट अध्यक्ष हन सेन ने भीषण युद्ध का संकल्प लिया। इस तनाव से दोनों देशों में लाखों विस्थापित लोग अस्थाई आश्रयों में शरण लेने के कारण दयनीय परिस्थितियों में आ गए हैं। थाई सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल सुरासंत कोंगसिरी ने बुधवार को बताया कि थाईलैंड के युद्ध प्रभावित क्षेत्रों से लगभग चार लाख लोगों को निकाला गया है और चार सीमावर्ती प्रांतों में लड़ाई जारी रहने के दौरान लगभग 700 स्कूल बंद कर दिए गए हैं। रक्षा मंत्रालय ने कहा, कंबोडिया ने भी 1.27 लाख से अधिक ग्रामीणों को निकाला है और सैकड़ों स्कूल बंद कर दिए हैं। थाईलैंड की सेना ने कहा, इस सप्ताह हताहतों में पांच सैनिक शामिल हैं। कंबोडिया में 7 लोग मरे और 20 अन्य घायल हुए हैं। हालांकि उसने बुधवार को आंकड़े अपडेट नहीं किए। इस बीच कंबोडिया ने थाईलैंड में मंगलवार से शुरू हुए 33वें दक्षिण पूर्व एशियाई खेलों से अपनी पूरी टीम को वापस बुला लिया है।

प्रतिनिधि सभा से रक्षा विधेयक पारित, सैनिकों का वेतन बढ़ाने और हथियार खरीद प्रक्रिया बदलने का प्रावधान

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी संसद की प्रतिनिधि सभा ने बुधवार को एक अहम रक्षा नीति विधेयक को पारित किया। इस विधेयक में 900 अरब डॉलर के सैन्य कार्यक्रमों को मंजूरी देने की बात कही गई है। इसमें सैनिकों की तनख्वाह बढ़ाने और रक्षा मंत्रालय द्वारा हथियारों की खरीद के तरीके में सुधार करने का प्रावधान शामिल है। यह बिल ऐसे समय में आया है, जब रिपब्लिकन पार्टी के नियंत्रण वाली कांग्रेस (संसद) और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन के बीच सैन्य प्रबंधन को लेकर मतभेद बढ़ रहे हैं। इस विधेयक का नाम 'राष्ट्रीय रक्षा प्राधिकरण अधिनियम' (एनडीएए) है। इस विधेयक को दोनों राजनीतिक दलों का समर्थन मिल रहा है और व्हाइट हाउस ने भी यह कहते हुए इसका मजबूती से समर्थन किया है कि यह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राष्ट्रीय सुरक्षा नीति के अनुरूप है। फिर भी इस तीन हजार से अधिक पन्नों वाले विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान भी हैं, जो रक्षा मंत्रालय पर नियंत्रण बढ़ाने के उद्देश्य से हैं। इनमें कैरिबिया में नावों पर हमलों पर अधिक जानकारी मांग, यूरोप में यूक्रेन जैसे सहयोगियों को समर्थन देने जैसे प्रावधान भी हैं।

नेपाल में संविधान संशोधन की तैयारी, चुनाव सुधारों के लिए सरकार और 'जेन-जी' में हुआ 10 सूत्रीय समझौता

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल की अंतरिम सरकार मौजूदा संविधान में संशोधन की दिशा में कदम उठाएगी। इन संशोधनों का मकसद आबादी के आधार पर पूरी तरह इसके अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना व प्रमुख सरकारी पदों पर चुने गए अधिकारियों के लिए कार्यकाल की सीमा तय करना है। 'जेन-जी' प्रतिनिधियों और सरकार के बीच बुधवार रात को हुए 10 सूत्रीय समझौते के अनुसार एक उच्चस्तरीय संविधान संशोधन सिफारिश आयोग का गठन किया जाएगा, जिसमें संबंधित हितधारक, स्वतंत्र विशेषज्ञ और 'जेन-जी' प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस आयोग को प्रगतिशील संवैधानिक बदलावों के लिए सिफारिशों के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का काम सौंपा जाएगा, जो 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों की आकांक्षाओं के अनुरूप होगी, जिन्होंने पिछली केपी शर्मा ओली के नेतृत्व वाली सरकार को गिराया था। इसके बाद नेपाल में सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार बनाई गई। आयोग किसी खास समुदाय की आबादी के आधार पर पूरी तरह से अनुरूप और समावेशी प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए चुनावी प्रणाली में जरूरी सुधारों की सिफारिश करेगा। फिलहाल, नेपाल का संविधान प्रतिनिधि सभा और प्रांतीय विधानसभाओं के सदस्यों को चुनने के लिए एक मिश्रित चुनावी प्रणाली (फर्स्ट पास्ट द पोस्ट) और आनुपातिक प्रतिनिधित्व (पीआर) का

प्रावधान करता है। 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट' प्रणाली के तहत, 60 प्रतिशत प्रतिनिधियों को चुना जाता है, जबकि बाकी 40 प्रतिशत को आनुपातिक प्रतिनिधित्व के माध्यम से चुना जाता है। समझौते के अनुसार आयोग राज्य के प्रमुख, तीनों स्तरों (संघीय, प्रांतीय और स्थानीय) के प्रमुखों और कार्यकारी निकायों के सदस्यों के लिए अधिकतम दो कार्यकाल (कुल 10 वर्ष से अधिक नहीं) की कार्यकाल सीमा की सिफारिश भी करेगा। फिलहाल कार्यकाल की सीमा सिर्फ राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति और स्थानीय सरकारों के प्रमुखों पर लागू होती है। संघीय या प्रांतीय सरकारों के प्रमुखों के लिए कोई कार्यकाल सीमा नहीं है। बैठक में ये भी चर्चा हुई कि राजनीतिक नेता बार-बार सत्ता में आते रहे और कोई नतीजा नहीं दिया, जिसे 'म्यूजिकल चेयर्स' जैसा खेल बताया गया। इसी से नेपाली युवाओं में भारी असंतोष पैदा हुआ। यह गुस्सा इस साल सितंबर में हुए 'जेन-जी' प्रदर्शनों में स्पष्ट रूप से दिखा। 'जेन-जी' आंदोलन से पहले नेपाल में वर्षों तक नेपाली कांग्रेस के शेर बहादुर देउबा, नेपाल की कम्युनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के केपी शर्मा ओली और नई गठित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी के पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' समेत शीर्ष नेताओं ने बार-बार सरकार की बागडोर संभाली। सितंबर में 'जेन-जी' प्रदर्शनकारियों के निशाने पर राजनीतिक दलों के कई नेता आए। प्रतिनिधि सभा आयोग, प्रांतीय सभा और स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्मीदवारी की न्यूनतम आयु 21 वर्ष करने के प्रस्ताव का भी अध्ययन करेगी। अभी संघीय संसद और प्रांतीय सभाओं में चुनाव लड़ने की न्यूनतम उम्र 25 साल है, जबकि स्थानीय स्तर के चुने हुए पदों के लिए उम्र 21 साल है। राज्य निकायों में राजनीतिक वफादारी और आर्थिक हितों के आधार पर नियुक्तियों की बढ़ती प्रवृत्ति को देखते हुए आयोग ऐसी नियुक्तियों के लिए जिम्मेदार मौजूदा संरचनाओं में जरूरी सुधारों की जांच करेगा। जुलाई 2024 में केपी शर्मा ओली सरकार बनने पर उसके दो गठबंधन साझेदारों- नेपाली कांग्रेस और सीपीएन (यूएमएल) ने राजनीतिक स्थिरता के लिए संविधान संशोधन का वादा किया था। दोनों पार्टियों के नेताओं ने यह राय व्यक्त की थी कि आनुपातिक चुनावी प्रणाली को खत्म कर देना चाहिए, ताकि एक ही पार्टी सरकार बनाने के लिए पर्याप्त सीटें हासिल कर सके। हालांकि सितंबर में 'जेन-जी' विरोध प्रदर्शनों के बाद उस सरकार के गिरने से पहले संविधान में संशोधन के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया था।

क्या फिर गृहयुद्ध की दल-दल में फंसा यमन? यूएई समर्थित एसटीसी ने तेल-समृद्ध इलाकों पर किया कब्जा

सना, एजेंसी। यमन में कई साल से चल रही अशांति बीच दक्षिणी हिस्से में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) समर्थित अलगाववादी संगठन सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) ने देश के तेल-समृद्ध इलाकों हदरामौत और महरा के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। इससे अब तक बनी हुई हाल की शांति टूट गई है और क्षेत्र में नए तनाव बढ़ने लगे हैं। देखा जाए तो पिछले कुछ वर्षों से यमन में लड़ाई कुछ कम हो गई थी, क्योंकि सऊदी अरब और हूती विद्रोहियों के बीच एक तरह का समझौता हो गया था। लेकिन एसटीसी की इस नई कार्रवाई से हालात फिर से बिगड़ने लगे हैं।

एसटीसी दक्षिण यमन को अलग देश बनाने की मांग करने वाला बड़ा संगठन है। इसे यूएई का राजनीतिक और सैन्य समर्थन मिलता है। यह संगठन 2017 में बना था और दक्षिणी यमन के बड़े हिस्से में इसकी पकड़ मजबूत है। एसटीसी के प्रमुख ऐदारूस अल-जुबैदी देश की राष्ट्रपति परिषद के उपाध्यक्ष भी हैं।

अब समझिए कैसे शुरू हुआ यमन का संकट : बता दें कि 2014 में ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने राजधानी सना पर कब्जा कर लिया। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार को देश छोड़ना पड़ा। एक साल बाद 2015 में सऊदी अरब और यूएई इस युद्ध में सरकार की

मदद के लिए शामिल हुए। हालांकि तब से यमन दो हिस्सों में बंट चुका था। एक तरफ उत्तरी इलाके में हूतियों के कब्जें में और दूसरी ओर दक्षिणी हिस्से सरकार व उसके समर्थक समूहों के नियंत्रण में था।

तेल क्षेत्रों पर कब्जे से मामला कैसे बढ़ा : दरसअल इसी महीने एसचीसी ने अचानक हदरामौत में मार्च करते हुए बड़े तेल प्रतिष्ठानों पर कब्ज़ा कर लिया, जिनमें यमन की सबसे बड़ी तेल कंपनी पेट्रोमसीला भी शामिल है। इससे पहले सऊदी समर्थित स्थानीय कबीलों ने तेल राजस्व में हिस्सेदारी बढ़ाने की मांग करते हुए इस इलाके पर कुछ समय के लिए कब्जा किया था।

ऐसे में एसटीसी ने इसी को मौका बनाकर अपनी ताकत बढ़ाई और इलाके पर पूरी तरह नियंत्रण कर लिया। इसके बाद एसटीसी ने पड़ोसी प्रांत महरा में भी प्रवेश किया और ओमान सीमा पर स्थित एक महत्वपूर्ण चेकपोस्ट पर कब्जा कर लिया। अदन में उन्होंने राष्ट्रपति भवन पर भी नियंत्रण कर लिया, जहां सरकारी नेतृत्व बैठता है।

मोरक्को के एक शहर में दो इमारतें गिरीं, 22 की मौत; दरारों की अनदेखी बन गई मौत की वजह

रबात, एजेंसी। मोरक्को के ऐतिहासिक शहर फेज में बुधवार तड़के बड़ा हादसा हो गया। पुराने इलाके में दो चार-मंजिला इमारतें अचानक ढह गईं, जिसमें कम से कम 22 लोगों की मौत हो गई और 16 लोग घायल हो गए। यह घटना उस क्षेत्र में हुई, जहां इमारतों के खराब हालात की शिकायतें पहले से थीं। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और कई परिवार मलबे में दब गए। स्थानीय प्रशासन के मुताबिक, अल-मुस्तक़बल इलाके में स्थित दोनों इमारतों में आठ परिवार रहते थे। रात के समय ये इमारतें अचानक भरभराकर गिर पड़ीं। सरकारी एजेंसी के अनुसार, दोनों इमारतों में लंबे समय से दरारें थीं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया। जैसे ही प्रशासन को घटना की जानकारी मिली, पुलिस, स्थानीय अधिकारी और सिविल प्रोटेक्शन टीमें मौके पर पहुंचीं और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया। सरकारी मीडिया वेबसाइट एसएनआरटी ने बताया कि दोनों इमारतों में काफी समय से दरारें दिख रही थीं। लोगों ने इस बारे में चिंता भी जताई थी, लेकिन कोई प्रभावी उपाय नहीं किए गए। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि अचानक गिरने का कारण क्या था, लेकिन माना जा रहा है कि संरचनात्मक कमजोरी ही मुख्य वजह बनी। हालांकि अमर उजाला इसकी पुष्टि नहीं करता है। फेज मोरक्को का तीसरा सबसे बड़ा शहर और पुराना राजधानी शहर है, जिसकी स्थापना आठवीं सदी में हुई थी। कुछ समय पहले यह शहर सरकार के खिलाफ बढ़ते असंतोष के कारण सुर्खियों में रहा था। लोगों ने खराब जीवन स्तर, महंगाई और कमजोर सार्वजनिक सेवाओं के खिलाफ बड़े प्रदर्शन किए थे। यह गुस्सा इतना बढ़ गया था कि कुछ जगहों पर आंदोलन हिंसा में बदल गया। मोरक्को के बड़े शहर और आर्थिक केंद्र देश के उत्तर-पश्चिम हिस्से में हैं, जबकि बाकी इलाकों की अर्थव्यवस्था अब भी खेती, मछली पालन और पर्यटन पर निर्भर है। सरकार बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स और वर्ल्ड कप 2030 से पहले स्टेडियम निर्माण पर जोर दे रही है। लेकिन इसी बीच ग्रामीण और छोटे शहरों में गरीबी और मूलभूत सुविधाओं की कमी के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ी है।

डेमोक्रेट्स ने उठाए ट्रंप की नीतियों पर सवाल, चेताया- ज्यादा टैरिफ से भारत को खो देगा अमेरिका

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ से जुड़े फैसलों को लेकर डेमोक्रेट्स ने उन्हें चेताया है। उनका कहना है कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ सिस्टम और नई दिल्ली के प्रति टकराव वाला रवैया सही नहीं है। यह अमेरिका के सबसे अहम साझेदारों में से एक को लंबे समय तक नुकसान पहुंचा सकता है। हाउस फॉरेन अफेयर्स सब-कमेटी ऑन साउथ एंड सेंट्रल एशिया की यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप पर कांग्रेस की सुनवाई के दौरान डेमोक्रेटिक रैंकिंग मेंबर सिडनी कामलेगर-डोव ने ट्रंप पर दशकों की द्विदलीय प्रगति को खत्म करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन ने ट्रंप को एक अच्छा द्विपक्षीय संबंध सौंपा था। इसमें एक फिर से सक्रिय क्वाड, एक उभरती हुई रक्षा तकनीक

साझेदारी और एक भरोसेमंद सप्लाई चेन पार्टनर का हवाला दिया गया था, लेकिन ट्रंप ने उसे पूरी तरह से बर्बाद कर दिया। उन्होंने चेतावनी दी कि इतिहास ट्रंप को कड़ा सबक सिखा सकता है, जब तक वह अपना रास्ता नहीं बदलते। ऐसी सूरत में ट्रंप वह अमेरिकी राष्ट्रपति होंगे, जिन्होंने भारत को खो दिया। डेमोक्रेट्स ने कहा, 'आप (ट्रंप) रणनीतिक साझेदारों को अपने दुश्मनों की गोद में धकेलकर नोबेल शांति पुरस्कार नहीं जीत सकते। मामला ट्रंप के 25 प्रतिशत 'लिबरेशन डे टैरिफ' का था। भारत के रूसी तेल के आयात से नाराज अमेरिकी राष्ट्रपति ने भारत पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था और भारत पर टैरिफ का कुल 50 प्रतिशत बोझ आ गया। उन्होंने ट्रंप की नीति को आत्मघाती बताते हुए कहा कि भारत पर लगाया गया टैरिफ वर्तमान में चीन पर लगाए गए टैरिफ से अधिक है। डेमोक्रेट्स ने ट्रंप पर एच-1बी वीजा पर 100,000 डॉलर की फीस लगाकर लोगों के बीच संबंधों पर हमला करने का भी आरोप लगाया, जिसमें से 70 प्रतिशत भारतीयों के पास हैं। उन्होंने इसे यूएस में भारतीयों के अविश्वसनीय योगदान का अपमान बताया। भारत के प्रमुख थिंक टैंक ऑब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के अमेरिकी सहयोगी ओआरएफ अमेरिका के ध्रुव जयशंकर ने कहा कि व्यापार वार्ता 13 फरवरी से पहले शुरू हुई थी और जुलाई तक, दोनों पक्ष एक समझौते के काफी करीब पहुंच गए थे। भारत सक्रिय रूप से मुक्त व्यापार सौदों पर काम कर रहा है और अगर वाशिंगटन में राजनीतिक इच्छाशक्ति है तो एक समाधान हाथ में है। यह भी चेतावनी दी गई कि टैरिफ की वजह से चीन का मुकाबला करने और सप्लाई चेन को स्थिर करने सहित जरूरी रणनीतिक प्राथमिकताओं पर खतरा मंडरा सकता है।

अंटार्कटिका के नीचे रोबोटिक मिशन ने गर्म धाराओं का रहस्य किया उजागर, वैश्विक जलवायु चिंताओं को बढ़ाया

अंटार्कटिका, एजेंसी। अंटार्कटिका की डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे पहली बार किए गए रोबोटिक सर्वे ने यह चौंकाने वाला खुलासा किया है कि गर्म और खारा गहरा समुद्री जल बर्फ के बिल्कुल निचले हिस्सों तक बिना किसी बड़े मिश्रण के क्षैतिज रूप से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंच रहा है। वह संवेदनशील इलाका है जहां ग्लेशियर समुद्र तल को छोड़कर तैरना शुरू करता है। यूनिवर्सिटी ऑफ ईस्ट एंग्लिया के नेतृत्व में हुए इस अध्ययन ने पिघलन की वास्तविक प्रक्रिया को समझने की दिशा में बड़ा मोड़ दिया है और समुद्र-स्तर में भविष्य की वृद्धि के अनुमानों को लेकर वैज्ञानिक समुदाय को नए सिरे से सोचने पर मजबूर किया है। यूईए के वैज्ञानिकों ने 2022 में बोटी मैकबोटफेस नामक पानी के भीतर चलने वाले उन्नत स्वायत्त रोबोट की मदद से अमुंडसेन सागर में स्थित डॉटसन आइस शेल्फ के नीचे लगभग 100 किलोमीटर लंबा पहला गहन सर्वेक्षण संचालित किया। मिशन ने समुद्री तल से करीब 100 मीटर ऊपर रहकर तापमान, लवणता, ऑक्सीजन स्तर, धारा की रफ्तार और जल मिश्रण के आंकड़े जुटाए जो अब तक अंटार्कटिका की कठिन परिस्थितियों में लगभग असंभव माने जाते थे। डॉटसन विश्व के उन क्षेत्रों में गिना जाता है जहां ग्लेशियर सबसे तेजी से पिघल रहे हैं और समुद्र की गहराइयों से आने वाली गर्मी को इसका प्रमुख कारण बताया जाता है। लेकिन अब इस शोध ने दिखाया कि गर्मी किस तरह बर्फ के आधार तक पहुंचती है, यह हमारी कल्पना से कहीं ज्यादा जटिल है।

गर्म पानी ऊपर नहीं उठता, सीधे ग्राउंडिंग लाइन की ओर बहता है : सबसे बड़ा खुलासा यह है कि गर्म, गहरा और अधिक खारा पानी पारंपरिक धारणा के विपरीत ऊपर की ओर मिलकर पिघलन नहीं बढ़ाता, बल्कि क्षैतिज दिशा में तेजी से बहते हुए सीधे ग्राउंडिंग लाइन तक पहुंचता है। इसका मतलब है ग्लेशियर नीचे से अधिक पिघलते हैं। उनकी संरचना तेजी से कमजोर होती है तथा पीछे हटने की रफ्तार बढ़ती है और समुद्र में बर्फ का नुकसान कई गुना बढ़ता है। यह प्रक्रिया वैश्विक समुद्र-स्तर बढ़ोतरी में बड़ा योगदान देती है, क्योंकि अमुंडसेन सागर बेसिन में होने वाला बर्फ-नुकसान अकेले पृथ्वी के भविष्य का समुद्र-स्तर तय करने में निर्णायक भूमिका निभाता है। रोबोट ने 5-10 सेंटीमीटर प्रति सेकंड की समुद्री धारा दर्ज की। वैज्ञानिकों का अनुमान था कि तेज धारा ही पानी के मिश्रण को नियंत्रित करती है, लेकिन निष्कर्ष इसके बिल्कुल विपरीत निकले। समुद्र तल की ढलान कभी-कभी 45 डिग्री तक ही गर्म पानी को ऊपर धकेलने या नीचे रोके रहने का वास्तविक कारक है। जहां ढलान तीव्र है, वहां गर्म पानी कुछ ऊंचाई तक मिश्रित होता है।

चुनाव को लेकर ट्रंप ने फिर से जेलेंस्की को लताड़ा, यूक्रेनी राष्ट्रपति ने भी दिया जवाब

कीव, एजेंसी। रूस-यूक्रेन युद्ध में शांति समझौते पर जेलेंस्की की असहमति के बाद ट्रंप ने एक बार फिर से कीव में चुनाव का मुद्दा उठाया है। अमेरिकी राष्ट्रपति ने यूक्रेन के लोकतंत्र पर सवाल उठाते हुए कहा कि जेलेंस्की पद पर बने रहने के लिए युद्ध का बहाना बना रहे हैं... जेलेंस्की को युद्ध को लेकर यथार्थवादी होना होगा और सोचना होगा कि वह अगला चुनाव कब करवा रहे हैं। इससे पहले ट्रंप के इसी तरह के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए जेलेंस्की ने कहा था कि यदि सहयोगी देश युद्धकाल में सुरक्षित मतदान की गारंटी दें और यदि यूक्रेन के चुनावी कानून में संशोधन किया जा सके तो यूक्रेन तीन महीने के भीतर चुनाव करा सकता है। ट्रंप ने मीडिया से बात करते जेलेंस्की के ऊपर सत्ता से चिपके रहने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, 'वहाँ लंबे समय से चुनाव नहीं हुए हैं। आप जानते हैं, वे लोकतंत्र की बात करते हैं, लेकिन एक समय ऐसा आता है जब यह लोकतंत्र नहीं रह जाता।' इस पर जेलेंस्की ने कहा ने कहा कि वह चुनाव के लिए तैयार हैं। लेकिन मतदान के लिए उन्हें यूरोप और अमेरिका की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि अगर यूक्रेन सुरक्षित होता है तो वह 60 से 90 दिनों के भीतर मतदान कराने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, 'चुनाव कराने के लिए दो मुद्दों पर ध्यान देना आवश्यक है जिनमें पहला है सुरक्षा- चुनाव कैसे कराए जाएं, हमलों और मिसाइल हमलों के बीच चुनाव कैसे कराए जाएं और दूसरा, हमारी सेना से संबंधित प्रश्न- वे कैसे मतदान करेंगे। और दूसरा मुद्दा चुनावों की वैधता सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक विधायी ढांचा है। जेलेंस्की ने कहा कि उन्होंने अपनी पार्टी के सांसदों से ऐसे विधायी प्रस्ताव तैयार करने को कहा है जो यूक्रेन में मार्शल लॉ लागू होने के दौरान चुनाव कराने की अनुमति देने वाला हो। आपको बता दें, जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 से शुरू हुआ था, जो कि अब समाप्त हो चुका है। हालांकि, युद्ध के चलते उनके कार्यकाल को लगातार बढ़ाया जाता रहा है। रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी जेलेंस्की के कार्यकाल संबंधी इस मुद्दे को कई बार उठा चुके हैं।

11 माह बाद सामने आईं मारिया मचाडो, क्यों देश छोड़ने पर हुईं मजबूर

ओस्लो, एजेंसी। वेनेजुएला की प्रमुख विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो करीब 11 महीने बाद पहली बार सार्वजनिक रूप से दिखाई दीं। वह नॉर्वे की राजधानी ओस्लो में एक होटल की बालकनी पर नजर आईं, जहां उनकी बेटी ने उनकी ओर से नोबेल शांति पुरस्कार स्वीकार किया। मचाडो होटल की बालकनी पर समर्थकों को हाथ हिलाकर अभिवादन करती दिखीं। इस दौरान बाहर लोग 'फ्रीडम, फ्रीडम' और 'धन्यवाद' के नारे लगा रहे थे। बाद में वह होटल से बाहर आकर समर्थकों से मिलीं, जहां उनके साथ परिवार और उनके करीबी सहयोगी भी थे।

क्यों छिपी हुई थी मचाडो : बता दें कि जनवरी 2024 में कराकास में एक विरोध प्रदर्शन के दौरान उन्हें थोड़ी देर के लिए हिरासत में लिया गया था। इसके बाद उनकी सुरक्षा को खतरा होने के कारण वे छिपकर रह रही थीं। उनकी उम्मीद थी कि वे खुद पुरस्कार लेने पहुंच पाएंगी, लेकिन वे समय पर नहीं पहुंच सकीं। उन्होंने एक फोन कॉल में कहा कि कई लोगों ने अपनी जान जोखिम में डालकर उनकी यात्रा को संभव बनाने की कोशिश की। उनकी बेटी एना कोरीना सोसा ने पुरस्कार लेते हुए कहा कि मेरी मां एक आजाद वेनेजुएला में जीना चाहती हैं और कभी हार नहीं मानेंगी।

मचाडो ने बनाई थी ये योजना : मचाडो ने पिछले साल मादुरो को चुनौती देने की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें चुनाव लड़ने से रोका गया। इसके कारण उन्होंने सेवानिवृत्त कूटनीतिज्ञ एडमंडो गोंजालेज का समर्थन किया। चुनाव से पहले और बाद में कई लोगों ने माचाडो का समर्थन इसलिए किया क्योंकि उन्होंने देश छोड़कर निर्वासन नहीं लिया।

वेनेजुएला के लोगों की मिली जुली प्रतिक्रियाएं : वहीं माचाडो के विदेश जाने को लेकर वेनेजुएला में लोगों की प्रतिक्रिया मिली-जुली रही। कैराकस की एक

कर्मचारी जोसफिना पाज ने कहा कि अगर उन्होंने देश छोड़ा है, तो ठीक है। इस महिला ने लोकतंत्र के लिए कई बलिदान दिए हैं। अब उन्हें अपने परिवार और बच्चों के पास जाना चाहिए और विदेश से संघर्ष जारी रखना चाहिए। वहीं, दुकानदार जोसे हर्टाडो ने उन्हें देशद्रोही कहा, क्योंकि वे अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की वेनेजुएला नीति का समर्थन करती हैं।

नोबेल समिति ने क्या कहा : वहीं नोबेल समिति के प्रमुख ने कहा कि मचाडो ने बहुत खतरनाक हालात के बावजूद ओस्लो आने की पूरी कोशिश की और वे सुरक्षित हैं। गौरतलब है कि वेनेजुएला लंबे समय से राजनीतिक संकट और दमन का सामना कर रहा है। मचाडो ने पिछले साल विपक्षी प्राइमरी जीती थी और राष्ट्रपति चुनाव लड़ना चाहती थीं, लेकिन मादुरो सरकार ने उन्हें चुनाव लड़ने से रोक दिया। उनकी जगह विपक्ष ने एडमुडो गोंजालेज को उतारा, जिन्हें बाद में गिरफ्तारी वारंट के कारण स्पेन में शरण लेनी पड़ी। चुनाव से पहले और बाद में दमन, गिरफ्तारियों और मानवाधिकार उल्लंघनों की कई शिकायतें हुईं।

पुरस्कार समारोह में लैटिन अमेरिकी नेताओं की मौजूदगी : कार्यक्रम में अर्जेंटीना, इक्वाडोर, पनामा और पराग्वे के राष्ट्रपति भी मचाडो के समर्थन में पहुंचे। नोबेल समिति ने मचाडो को 'असाधारण साहस की मिसाल' बताया और कहा कि वेनेजुएला 'क्रूर निरंकुश शासन' में बदल चुका है।

मचाडो की बेटी ने बढ़कर सुनाया उनका संदेश : उनके भाषण को उनकी बेटी ने पढ़कर सुनाया। इसमें कहा गया कि यह सम्मान पूरे वेनेजुएला के लोगों का है, और वे जल्द ही अपने परिवार और देशवासियों से मिलने के लिए उत्सुक हैं। संदेश में यह कहा कि लोकतंत्र पाने के लिए हमें स्वतंत्रता के लिए लड़ने की हिम्मत रखनी होगी।

अंडर 19 एशिया कप में रविवार को होगा भारत-पाकिस्तान मुकाबला

वैभव पर रहेंगी नजरें, हाथ नहीं मिलने को लेकर जारी गतिरोध टूटेगा !

दुबई (एजेंसी)। अंडर 19 एशिया कप क्रिकेट में रविवार को होने वाली भारत और पाकिस्तान मैच को लेकर प्रशंसकों में उत्साह चरम पर है। इस मैच में सभी की नजरें वैभव सूर्यवंशी पर रहेंगी। वैभव ने जिस प्रकार यूएई के खिलाफ मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी की है। उससे तय है कि वह पाक के खिलाफ भी उसी अंदाज में उतरेंगे। विश्वकप में ये देखना होगा कि भारतीय टीम के खिलाड़ी पाक खिलाड़ियों से हाथ मिलाते हैं या नहीं।

माना जा रहा है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टीम का इस मैच में हाथ मिलाने से नहीं रोकेगी। इसका कारण है कि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कहा है कि अंडर-19 स्तर पर खेलभावना को मजबूत करने पर उसका ध्यान रहेगा।

वहीं आईसीसी ने कहा है कि अगर भारतीय खिलाड़ी हाथ नहीं मिलाते, तो इसकी जानकारी पहले से मैच रेफरी को देनी होगी। आईसीसी का प्रयास है कि जूनियर क्रिकेट में सही संदेश जाए और किसी प्रकार का विवाद खड़ा ना हो। इस टूर्नामेंट में भारत और पाकिस्तान की टीमें, ग्रुप एक से सेमीफाइनल में पहुंच सकती हैं क्योंकि अन्य टीमें मलेशिया और काफी कमजोर हैं। भारतीय टीम के लिए राहत की बात ये है कि वैभव सूर्यवंशी अच्छी फॉर्म में हैं। वहीं कप्तान आयुष म्हात्रे ने हाल में घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन किया था। म्हात्रे ने दो शतक और एक अर्धशतक लगाया था। वहीं वैभव ने सबसे कम उम्र में शतक लगाया था। इस प्रकार के इनके प्रदर्शन को देखते हुए माना जा रहा है कि भारतीय टीम जीत की प्रबल दावेदार है।

अंडर-19 एशिया कप की टीमें

ग्रुप एः भारत, पाकिस्तान, मलेशिया, यूएई

ग्रुप बीः बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, नेपाल

भारतीय टीमः आयुष म्हात्रे (कप्तान), वैभव सूर्यवंशी, विहान मल्होत्रा (उप-कप्तान), वेदांत त्रिवेदी, अभिज्ञान कुंडू (विकेटकीपर), हरवंश सिंह (विकेटकीपर), युवराज गोहिल, कनिष्क चौहान, खिलान ए. पटेल, नमन पुष्पक, डी. दीपेश, हेनिल पटेल, किशन कुमार सिंह (फिटनेस के अधीन), उधव मोहन और एरॉन जॉर्ज.

स्टैंडबाय खिलाड़ीः राहुल कुमार, जे हेमचूडेशन, बीके किशोर और आदित्य रावत।

मुश्ताक अली ट्रॉफी : नीतीश की हैट्रिक बेकार गयी, मध्य प्रदेश ने आंध्र को हराया

पुणे (एजेंसी)। मध्य प्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी सुपर लीग स्टेज के अपने पहले मैच में आंध्र प्रदेश को चार विकेट से हरा दिया। इस मैच में आंध्र के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी ने हैट्रिक लगायी पर इसके बाद भी वह अपनी टीम को हार से नहीं बचा पाये। मध्य प्रदेश ने इस मैच में खराब शुरुआत से उबरकर 113 रन का लक्ष्य हासिल कर लिया। रेड्डी ने तीसरे ओवर में हर्ष गवली, हरप्रीत भाटिया और रजत पाटीदार के विकेट लिए।

वेंकटेश अय्यर के आउट होने के तुरंत बाद मध्य प्रदेश का स्कोर चार विकेट पर 37 रन हो गया। ऐसे में आंध्र की जीत की उम्मीदें बनीं पर ऋषभ चौहान और राहुल बाथम ने पांचवें विकेट के लिए 73 रन की शानदार साझेदारी कर टीम को संभाल लिया। चौहान ने 43 गेंदों पर 6 चौकों की मदद से 47 रन बनाए जबकि बाथम 32 गेंदों पर 35 रन बनाकर नाबाद रहे, जिससे मध्य प्रदेश ने 15 गेंद बाकी रहते जीत हासिल करने के साथ ही चार जरूरी अंक प्राप्त किये।

वहीं इससे पहले रेड्डी ने विकेटकीपर-बल्लेबाज केएस भरत के साथ तीसरे विकेट के लिए 50 रन बनाये। भरत ने सबसे ज्यादा 39 रन बनाए जिससे आंध्र की टीम 19.1 ओवर में 112 रन तक पहुंची। मध्य प्रदेश की ओर से शिवम शुक्ला ने 4 जबकि त्रिपुरेश सिंह ने 3 विकेट लिए। वहीं बाथम ने 2 खिलाड़ियों को आउट किया।

सूर्यकुमार ने हार की जिम्मेदारी ली, अक्षर को पहले भेजे जाने के फैसला का भी बचाव किया

मुल्लांपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 क्रिकेट मुकाबले में हार पर निराशा जताते हुए इसकी जिम्मेदारी ली है। सूर्यकुमार ने कहा कि उन्हें इस मैच में जिम्मेदारी लेनी थी पर वह उसमें सफल नहीं हो पाये। इस मैच में भारतीय टीम 214 रनों के लक्ष्य को हासिल नहीं कर पायी थी। इस मैच में ऑलराउंडर अक्षर पटेल को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजने के फैसले का भी सूर्या ने बचाव करते हुए कहा कि पिछले कुछ समय में उसने शुरआत में उतारने पर बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है जिसको देखते हुए उसे इस बार अवसर दिया गया। अक्षर को पहले भेजने के कारण मुख्य कोच गौतम गंभीर के फैसलों पर भी सवाल उठे थे। सूर्यकुमार ने कहा कि अक्षर ने एकदिवसीय और टेस्ट क्रिकेट में अच्छी बल्लेबाजी की है हालांकि वह इस मैच में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। कप्तान ने हार की जिम्मेदारी लेते हुए आगामी मैचों में अच्छी बल्लेबाजी की बात कही।

सूर्यकुमार ने कहा, हमने पहले गेंदबाजी करके भी गलती की जबकि हमें बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर कहा कि टीम को इससे सीखने का अवसर मिला।

उन्होंने कहा कि हमें दूसरी योजना भी लेकर चलनी चाहिये थी पर हमने ऐसा नहीं किया। हमने दूसरी पारी में विरोधी टीम की गेंदबाजी देखकर सबक लिया है। अब हम अगले मैच में उसी के अनुसार गेंदबाजी करना चाहेंगे।

सूर्यकुमार ने कहा, हम हर मैच में अभिषेक शर्मा पर आधारित नहीं रह सकते। मुझे और शुभमन गिल को अच्छी बल्लेबाजी करनी चाहिये थी पर हम ऐसा नहीं कर पाये। शुभमन पहली ही गेंद पर आउट हो गए थे। इसके बाद मुझे लंबी पारी खेलते हुए मैच आगे ले जाना चाहिये था पर मैं ऐसा नहीं कर पाया।

डिकॉक का अर्धशतक, भारत को 51 रन से हराकर दक्षिण अफ्रीका ने श्रृंखला 1-1 से बराबर की

मुल्लांपुर (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक (90 रन) की धमाकेदार अर्धशतकीय पारी के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के दम पर बृहस्पतिवार को यहां दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत को 51 रन से हराकर पांच मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर ली। अब तीसरा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच 14 दिसंबर को धर्मशाला में खेला जाएगा।

पहले मैच में महज 74 रन पर आउट होने वाली दक्षिण अफ्रीका ने चार विकेट पर 213 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया जिसमें डिकॉक की 46 गेंद की पारी में सात छक्के और पांच चौके जड़े थे। डिकॉक ने कप्तान एडन मारक्रम (29 रन) के साथ दूसरे विकेट के लिए 47 गेंद में 83 रन की भागीदारी निभाई।

डोनोवन फरेरा ने नाबाद 30 रन और डेविड मिलर ने नाबाद 20 रन का योगदान दिया। भारत ने पारी में 16 वाइड गेंद डाली और 22 अतिरिक्त रन दिए जबकि दक्षिण अफ्रीका ने केवल पांच अतिरिक्त रन दिए। इस तरह भारत ने अंतिम 10 ओवर में 123 रन लुटाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारत की शुरूआत काफी खराब रही जिससे टीम उबर नहीं सकी और तिलक वर्मा (62 रन) के अर्धशतक के बावजूद 19.1 ओवर में 162 रन पर आउट हो गई।

विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा ने 27 रन, अक्षर पटेल ने 21 रन और हार्दिक पंड्या ने 20 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका के लिए आटेनील बार्टमैन सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने चार ओवर में 24 रन देकर चार विकेट झटके जबकि लुंगी एनगिडी, मार्को यानसन और लुथे सिपमाला को दो दो विकेट मिले।

भारतीय टीम ने पहले ही ओवर में शुभमन गिल का विकेट गंवा दिया जो खाता भी नहीं खोल सके। इस तरह खेल के इस प्रारूप में उनकी फॉर्म पर चिंता बरकरार है। एनगिडी की गेंद को डिफेंड करने की कोशिश में वह पहली स्लिप में खड़े हेंड्रिक्स को कैच दे बैठे।

सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने दो छक्के से आठ गेंद में 17 रन बनाकर तेज शुरूआत की लेकिन यानसन की गेंद पर आउट हो गए। गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर सीधे विकेटकीपर डिकॉक के हाथों में समां गई।

चौथे ओवर में कप्तान सूर्यकुमार यादव के आउट होने से स्कोर तीन विकेट पर 32 रन हो गया। दिलचस्प है कि यानसन की गेंद सूर्यकुमार के बल्ले को छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई लेकिन अंपायर ने आउट नहीं दिया। मारक्रम ने क्षेत्ररक्षकों से पूछने के बाद रिव्यू लेने का फैसला जबकि दो सेकेंड ही बचे थे। और अंपायर को अपना फैसला बदलना पड़ा और निराश सूर्यकुमार के पवेलियन लौटते हुए मैदान पर खामोशी छा गई। तिलक वर्मा ने पांचवें ओवर में सिपमाला पर एक चौका और एक छक्का जमाया। इससे पावरप्ले में भारत का स्कोर तीन विकेट पर 51 रन था। तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतारे गए अक्षर पटेल (21 गेंद में 21 रन) ने जैसे ही तेज खेलना शुरू किया, वह बार्टमैन की गेंद पर हेंड्रिक्स के हाथों कैच आउट हो गए। तिलक और पंड्या ने मिलकर पांचवें विकेट के लिए 41 गेंद में 51 रन जोड़े लेकिन तब तक जरूरी रन रेट काफी बढ़ चुका था।

राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कायक्रम में हुआ बदलाव , 31 दिसंबर की जगह 4 जनवरी से शुरु होंगे मुकाबले

नई दिल्ली । ग्रेटर नोएडा इस माह के अंत में शुरु होने वाले एलीट पुरुष और महिला राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप के कार्यक्रम में बदलाव किया गया है। सरकार द्वारा लागू प्रदूषण नियंत्रण उपायों को देखते हुए अब ये चैम्पियनशिप 31 दिसंबर की जगह पर 4 जनवरी से शुरु होगी। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ ने कहा, ''सरकार द्वारा अनिवार्य प्रदूषण नियंत्रण उपायों के 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी होने के कारण अब ये चैंपियनशिप पर चार से 10 जनवरी 2026 तक खेली जाएगी।'' इससे पहले दिल्ली सरकार ने निर्देश जारी किए कि एनसीआर राज्य सरकारें और दिल्ली प्रशासन क्षेत्र में उच्च स्तर के वायु प्रदूषण को देखते हुए ऐसे आयोजनों को टालने के लिए तत्काल कदम उठाएं। राष्ट्रीय महासंघों और केंद्रीय खेल मंत्रालय द्वारा मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और खेल संघों से भी इस आदेश का पालन करने को कहा गया था। माना जा रहा है कि उसी को देखते हुए मुक्केबाजी चैम्पियनशिप आगे बढ़ायी गयी है।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण जीतना है पहलवान रवि दहिया का लक्ष्य

नई दिल्ली । ओलंपिक पदक विजेता पहलवान रवि कुमार दहिया ने कहा है कि उनका लक्ष्य लॉस एंजिल्स ओलंपिक में स्वर्ण पदक जीतता है और इसके लिए वह तैयारी भी कर रहे हैं। टोक्यों ओलंपिक के 57 किग्रा फ्रीस्टाइल वर्ग में रजत पदक विजेता रवि इसके बाद साल 2024 में पेरिस ओलंपिक में वह जगह नहीं बना पाये और इसी कारण अब वह अपना भार वर्ग बदलकर लॉस एंजिल्स ओलंपिक की तैयारी कर रहे हैं। रवि 57 किग्रा की जगह अब 65 किग्रा भार वर्ग में हिस्सा ले सकते हैं। उनसे देश को अगले ओलंपिक में स्वर्ण पदक की उम्मीद है। इस खिलाड़ी का कहना है कि वह रजत तक ही सीमित नहीं रह सकते हैं। उनका लक्ष्य स्वर्ण जीतना है। रवि को पहचान 2018 में अंडर-23 विश्व चैंपियनशिप में मिली। तब 57 किलोग्राम भार वर्ग में उन्होंने रजत पदक जीता था। वहीं साल 2019 में विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर उन्होंने टोक्यो ओलंपिक में अपनी जगह पक्की की थी। रवि एशियाई चैंपियनशिप में भी विजेता हैं। 2018, 2020, और 2021 में उन्होंने इसमें स्वर्ण पदक जीते थे।टोक्यो ओलंपिक के बाद उन्होंने साल 2022 में राष्ट्रमण्डल खेलों में भी दहिया ने स्वर्ण पदक जीता था।उनके पिता राकेश दहिया तो किसान हैं, लेकिन उनके चाचा मुकेश दहिया कुश्ती से जुड़े रहे हैं। इस वजह से रवि को कुश्ती विरासत में मिली है, जिसे उन्होंने अपने प्रयासों से सफल बनाया है। रवि ने केवल 10 साल की उम्र में दिल्ली के छत्रसाल स्टेडियम में कुश्ती प्रशिक्षण के लिए दाखिला लिया।

विनेश ने संन्यास का फैसला वापस लिया, लॉस एंजिल्स ओलंपिक खेलना है लक्ष्य

चंडीगढ़ (एजेंसी)। ओलंपियन महिला पहलवान विनेश फोगाट ने अचानक ही संन्यास से वापसी की घोषणा कर सबको हैरान कर दिया है। विनेश ने पेरिस ओलंपिक फाइनल के ठीक पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किये जाने के बाद हताशा में खेल से संन्यास की घोषणा कर दी थी। अब विनेश ने अपने संन्यास के फैसले को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि वह 2028 लॉस एंजिस ओलंपिक में उतरना चाहती है। इसी साल अगस्त में विनेश ने कुश्ती से संन्यास लेकर राजनीति में प्रवेश किया था। वहीं अब वह एक बार फिर से मैदान में उतरने के लिए तैयार हैं। संन्यास से वापसी की जानकारी विनेश ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये दी है।

विनेश ने अपनी एक भावुक पोस्ट में लिखा, 'लोग आम तौर पर मुझसे पूछते रहते हैं कि क्या पेरिस मेरा आखिरी सफर था? मेरे पास लंबे समय से इस सवाल का जवाब नहीं था। इस दौरान कई साल के बाद मैंने चैन की सांस ली। अपने कार्यभार को समझने के लिए मैंने थोड़ा समय लिया। जीवन का उतार-चढ़ाव, देखा। मुझे अब भी खेल पसंद है। अब भी मैं प्रतिस्पर्धा करना चाहती हूं।' विनेश ने पोस्ट में आगे लिखा, 'शांत माहौल में मुझे कुछ ऐसा मिला जिसे मैं भूल गई थी 'आग कभी नहीं बुझती है।' ये केवल थकावट और शोर के नीचे दबी हुई थी। अनुशासन, दिनचर्या, लड़ाई ये मेरे सिस्टम में है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं कितनी दूर चली गई, मेरा एक हिस्सा मैट पर ही रहा है। तो मैं यहां हूं, एक ऐसे दिल के साथ जो निडर है और एक ऐसी भावना के साथ जो झुकने से इंकार करता है, अब ओलंपिक की ओर वापस कदम रख रही हूं। और इस बार, मैं अकेली नहीं हूं। मेरा बेटा मेरी टीम में शामिल हो रहा है, मेरी सबसे बड़ी प्रेरणा, 2028 ओलंपिक की इस राह पर मेरा छोटा चीयरलीडर होगा।'

तीन बार की ओलंपियन रही विनेश ने एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक जीते हैं। 2024 पेरिस ओलंपिक में फाइनल से ठीक एक रात पहले विनेश को अधिक वजन के कारण अयोग्य घोषित कर दिया गया था। तब विनेश ने इसे अपने खिलाफ बड़ी साजिश बताया था। इसके बाद प्रशंसकों औार करीब लोगों के समझाने के बाद भी विनेश नहीं मानी और संन्यास की घोषणा कर दी थी। इसके बाद विनेश ने हरियाणा विधानसभा चुनाव लड़ा था और जुलाना सीट से 6,000 वोटों के अंतर से जीत हासिल की थी।

भारत-दक्षिण अफ्रीका दूसरे टी20 में बुमराह और तिलक ने बनाये रिकार्ड

मुल्लांपुर (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ दूसरे टी20 में हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ ही ये सीरीज 1-1 से बराबरी पर गयी। इस मैदान में ये पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। जिसमें भारतीय टीम को 51 रनों से हार का सामना करना पड़ा है। इस मैच में कई रिकार्ड भी बने है। भारतीय टीम को अपनी धरती पर सबसे बड़ी हार झेलनी पड़ी। वहीं टी20 में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के एक ही ओवर में पहली बार 4 छक्के लगे। वहीं अर्शदीप ने के एक ओवर में 7 वाइड गेंदें फेंकीं। सकारात्मक बात ये रही कि बल्लेबाज तिलक वर्मा ने इस मैच में पांच छक्के लगाये। अब वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टी-20 में कुल मिलाकर सबसे अधिक 27 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गये हैं। इसमें दक्षिण अफ्रीका ने भारत को 51 रनों से हरा दिया। भारत की पूरी टीम 162 रनों पर सिमट गई।भारत की ओर से तिलक वर्मा ने 34 गेंद में सर्वाधिक 62 रन बनाए। इसमें 2 चौके और 5 छक्के शामिल हैं। इसके अलावा जितेश शर्मा ने 27, हार्दिक पांड्या ने 20, अक्षर पटेल ने 21 और अभिषेक शर्मा ने 17 रन बनाए। पारी में शुभमन गिल समेत 3 बल्लेबाज 0 पर आउट हुए। अभिषे और शुभमन के घरेलू मैदान पर असफल होने से उनके प्रशंसक निराश हुए। मैच शुरू होने से पहले पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने युवराज और विश्वकप विजेता महिला टीम की कप्तानी हरमनप्रीत कौर के नाम पर स्टेडियम में दो स्टैंड्स का उद्घाटन किया।

अंडर-19 एशिया कप में वैभव ने यूएई के खिलाफ लगाया तूफानी शतक

दुबई । यहां यूएई के खिलाफ हुए अंडर-19 एशिया कप में भारतीय टीम के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए 29 गेंदों में ही अर्धशतक लगा दिया। वैभव ने इस मैच में शतकीय पारी खेलते हुए यूएई के गेंदबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वैभव ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। इस मैच में भारतीय टीम के कप्तान आयुश महात्रे शुरुआत में ही आउट हो गये। आयुश तीसरे ओवर की पांचवीं गेंद पर ही केवल 4 रन बनाकर पेवेलियन लौट गये। इसके बाद वैभव ने पारी संभाली और जमकर चौके, छक्के लगाये।वैभव ने अपने पचास रन छक्के के साथ बनाये। इसके बाद पारी के 16वें ओवर में वैभव ने लगातार तीन छक्के लगा दिए। इस ओवर ने मैच का पूरा रुख ही बदल दिया। इसके बाद। 21वें ओवर की दूसरी गेंद पर वैभव ने एक रन लेकर अपना शानदार शतक पूरा किया। वैभव ने 56 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया, जिसमें 9 छक्के और 5 चौके शामिल रहे। वैभव ने 84 गेंदों पर 150 रन पूरे किए। आखिरकार वह 95 गेंदों में 171 रन बनाकर लौटे वैभव की पारी में 14 छक्के और 9 चौके शामिल रहे।वैभव का ये 10 दिनों के अंदर दूसरा शतकहै। वैभव ने 2 दिसंबर को महाराष्ट्र के खिलाफ बिहार की ओर से 108 रन बनाए थे।

मेस्सी भारत दौरे में धूम मचाने के लिए तैयार, लेकिन 2011 की तरह नहीं दिखेगा फुटबॉल जादू

कोलकाता (एजेंसी)। अर्जेंटीना के सुपरस्टार लियोनेल मेस्सी की 2011 के बाद शनिवार से शुरू होने वाली पहली भारतीय यात्रा चकाचौंध से भरपूर होगी लेकिन इसमें फुटबॉल का खास जादू देखने को नहीं मिलेगा। मेस्सी का यह दौरा यह 2011 की तुलना में पूरी तरह से अलग होगा जब यहां साल्ट लेक स्टेडियम में दर्शकों ने सुपरस्टार के पांवों का जादू देखा था। तब फीफा मैत्री मैच में अर्जेंटीना ने वेनेजुएला को 1-0 से हराया था और 85,000 से अधिक प्रशंसक स्टेडियम में जमा हुए थे। कुछ दर्शक तो स्टैंड के किनारों पर भी बैठे थे।

आठ बार बैलोन डीओर जीतने वाले मेस्सी इस बार 'जीओएटी इंडिया टूर 2025' में फुटबॉल खेलने वाले नहीं हैं। यह पूरी तरह से प्रचार और व्यावसायिक रूप से आयोजित कार्यक्रम है, जो शनिवार को यहां शुरू होगा और सोमवार को नई दिल्ली में समाप्त होगा। फिर भी एक ऐसे शहर के लिए यह बेहद खास है, जिसने कभी माराडोना तो कभी पेले को सिर आंखों पर बिठाया तो कभी अपने फुटबॉल प्रेम से डुंगा को चकाचौंध किया और रोनाल्डिन्हो को गले लगाया। इसे देखते हुए फुटबॉल नहीं खेलने के बावजूद यह शहर मेस्सी को अपने सिर आंखों पर बिठाने के लिए तैयार है।

सॉल्ट लेक स्टेडियम में कार्यक्रम, 7,000 की टिकट

आयोजकों ने सॉल्ट लेक स्टेडियम में होने वाले कार्यक्रम के लिए 78,000 सीटें सुरक्षित रखी हैं। यहां मेस्सी शनिवार को 45 मिनट तक चलने वाले एक कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए टिकटों की कीमत 7,000 रुपए तक है। यह देखना हालांकि बाकी है कि फुटबॉल प्रेमी इस कार्यक्रम के प्रति कितना उत्साह दिखाते हैं। मेस्सी भारत में 72 घंटे से भी कम समय बिताएंगे, लेकिन इस दौरान वह चार महानगरों कोलकाता, हैदराबाद, मुंबई और दिल्ली का दौरा करेंगे।

कई दिग्गजों से मिलेंगे मेस्सी

अपनी इस संक्षिप्त दौरे के दौरान उनके कार्यक्रम में मुख्यमंत्री, कॉर्पोरेट जगत के दिग्गज, बॉलीवुड हस्तियां और यहां तक कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ निर्धारित बैठक भी शामिल है। मेस्सी के प्रशंसकों में से एक भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल का भी 14 दिसंबर को धर्मशाला में होने वाले टी20 मैच के बाद उनसे मिलने की उम्मीद है। मेस्सी का पिछला भारत दौरा फुटबॉल प्रेमियों की स्मृतियों में आज भी जीवंत बना हुआ है, जब उन्होंने तीन सितंबर, 2011 को अपने पांवों का जादू दिखाकर दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया था। भले ही वह उस मैच में गोल नहीं कर पाए थे लेकिन उन्हें अपने सामने खेलते हुए देखना भी बहुत बड़ा रोमांच था।

मेस्सी के दौरे का मुख्य आकर्षण

मेस्सी के वर्तमान दौरे का मुख्य आकर्षण रविवार को मुंबई में होने वाला 45 मिनट का फैशन शो होगा जिसमें यह दिग्गज फुटबॉलर लंबे समय तक अपने साथी रहे लुई सुआरेज और अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल के साथ भाग लेगा। मेस्सी के इस दौरे के प्रमोटर सताद्रु दत्ता ने कहा, 'इसमें मशहूर मॉडल, क्रिकेटर, बॉलीवुड हस्तियां, बिजनेसमैन शामिल होंगे। टाइगर और जैकी श्रॉफ, जॉन अब्राहम और अन्य लोग भी इसमें शिरकत करेंगे।% सुआरेज एक स्पेनिश संगीत कार्यक्रम में भी प्रस्तुति देंगे। आयोजकों ने मेस्सी से 2022 के विश्व कप विजेता अभियान से जुड़ी कुछ यादगार वस्तुएं लाने का अनुरोध किया है, जिनकी मुंबई में नीलामी की जाएगी।

मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होने वाले इस कार्यक्रम से पहले क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया (सीसीआई) में पैडल कप का आयोजन किया जाएगा। मेस्सी कोलकाता में ईएम बाईपास पर स्थित एक पांच सितारा होटल में ठहरेंगे और सुबह प्रायोजकों के साथ विशेष मुलाकात और अभिवादन कार्यक्रम में भाग लेंगे। कोलकाता में अब VIP रोड पर श्रीभूमि क्लॉक टॉवर (बिग बेन की प्रतिकृति) के पास एक नया 'मेस्सी लैंडमार्क' भी होगा, जिसमें अर्जेंटीना के विश्व कप विजेता कप्तान की ट्रॉफी को ऊपर उठाए हुए 70 फीट ऊंची विशाल प्रतिमा लगाई गई है।

सुरक्षा कारणों से इसका अनावरण मेस्सी के होटल स्थित कमरे से ही वर्चुअल तरीके से किया जाएगा। मेस्सी के 25 गुणा 20 फीट के एक भित्ति चित्र का भी अनावरण किया जाएगा। बाद में इसे साल्ट लेक स्टेडियम में मेस्सी को भेंट किया जाएगा। इस कार्यक्रम के बाद मेस्सी दोपहर दो बजे हैदराबाद के लिए रवाना होंगे। कोच्चि में होने वाला मेस्सी का प्रस्तावित मैत्री मैच रद्द होने के बाद हैदराबाद को उनके कार्यक्रम में जोड़ा गया था। हैदराबाद पहुंचने के बाद मेस्सी जीओएटी कप में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी भी शामिल होंगे जिसमें सात सात खिलाड़ियों के बीच प्रदर्शनी मैच, पेनल्टी शूटआउट, युवा प्रतिभाओं के लिए एक मास्टरक्लास और संगीतमय प्रस्तुति भी शामिल है।

पीएम मोदी से मुलाकात और दौरे का समापन

मेस्सी अपने दौरे का समापन दिल्ली में करेंगे, जहां वह प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात करेंगे। इस साल की शुरुआत में गोथिया कप, डाना कप और नॉर्वे कप में शानदार जीत हासिल करने वाले मिनर्वा अकादमी के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को मेस्सी की उपस्थिति में सम्मानित किया जाएगा। इसके साथ ही एक प्रदर्शनी मैच भी आयोजित किया जाएगा जिसमें 9-9 खिलाड़ी भाग लेंगे। मेस्सी के इस दौरे को लेकर हर कोई उत्साहित है और यही वजह है कि कुछ पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी आमंत्रित न किए जाने पर 'दुखी और अपमानित' महसूस कर रहे हैं।

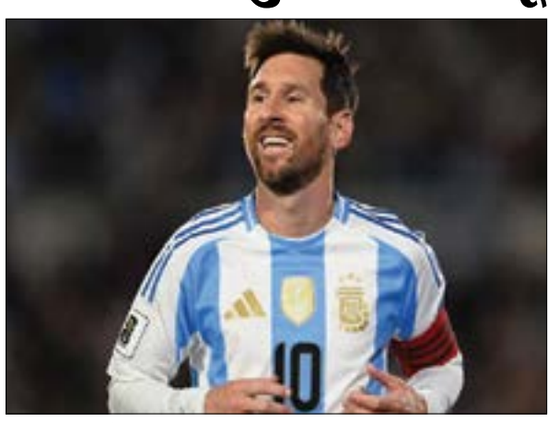

पेले के खिलाफ 1977 में प्रदर्शनी मैच खेलने वाले भारत और मोहन बागान के पूर्व मिडफील्डर गौतम सरकार ने अपनी बात कहने में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने कहा, 'यह सब केवल दिखावा है। मेस्सी तो सिर्फ हाथ मिलाने आ रहे हैं। जब पेले यहां आए थे तो हमारे साथ खेले भी थे।' सरकार ने कहा, 'मेस्सी को बुलाने के बजाय हमारा ध्यान देश में फुटबॉल को बेहतर बनाने पर होना चाहिए। हमें भारतीय फुटबॉल को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी चाहिए और अतीत के गौरव को वापस लाना चाहिए।% भारत के पूर्व डिफेंडर सुब्रत भट्टाचार्य ने भी कहा कि वह अपमानित महसूस कर रहे हैं।

दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया उर्वशी रौतेला के डांस मूव्स ने

बॉलीवुड की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के दमदार सेल्फ डांस चैलेंज ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। एक्ट्रेस द्वारा शेयर किए गए वीडियो में उनके एनर्जेटिक मूव्स, तकनीकी डांस स्किल्स और बेहतरीन स्टेज प्रेज़ेंस ने दर्शकों को पूरी तरह मंत्रमुग्ध कर दिया। कुछ ही घंटों में यह वीडियो कई प्लेटफॉर्म्स पर वायरल हो गया और फैंस लगातार इसे शेयर और रीक्रिएट कर रहे हैं। वीडियो में उर्वशी का आत्मविश्वास, ग्रेस और कच्चा टैलेंट साफ झलकता है। उनकी हर मूवमेंट में एक अलग ही चमक दिखाई देती है, जिसने लोगों को उनकी तुलना बेयॉस और जेनिफर लोपेज जैसी ग्लोबल सुपरस्टार्स से करने पर मजबूर कर दिया है। सोशल मीडिया पर लोग कमेंट्स की बाढ़ ला रहे हैं और उन्हें 'इंडिया की डांस क्वीन' तक कह रहे हैं। कई फैंस ने उनके सिग्नेचर स्टेप्स को कॉपी कर अपने संस्करण भी बनाए हैं, जिससे यह चैलेंज और ज्यादा ट्रेंड में आ गया है। इस चैलेंज की खासियत यह है कि यह उर्वशी की एक अलग ही झलक पेश करता है—फिल्मों और स्टेज शो से अलग, ज्यादा व्यक्तिगत और जुड़ाव भरा अंदाज। उनका यह सेल्फ-डांस चैलेंज दर्शाता है कि वह सिर्फ कैमरे पर ही नहीं, बल्कि अपने वास्तविक अंदाज में भी कितनी सहज और प्रतिभाशाली हैं। यह सिर्फ एक वीडियो नहीं बल्कि उनके टैलेंट, कॉन्फिडेंस और स्टारडम का उत्सव है। फैंस की प्रतिक्रियाएं भी बेहद उत्साहजनक रही हैं। किसी ने लिखा, 'उर्वशी इज़ गोल्स! उनकी एनर्जी का कोई जवाब नहीं', तो वहीं एक अन्य ने कहा, 'इसीलिए वो इंडिया की बेयॉस हैं।' इन प्रतिक्रियाओं से साफ है कि उर्वशी ने अपनी कला से दर्शकों के दिलों में खास जगह बना ली है। इस वायरल चैलेंज ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि उर्वशी रौतेला सिर्फ सुंदरता और ग्लैमर की वजह से नहीं, बल्कि अपनी अथक मेहनत और बहुमुखी प्रतिभा के चलते इंडस्ट्री की शीर्ष परफॉर्मर्स में शामिल हैं। उनके इस वीडियो ने न केवल यादगार पल बनाए हैं बल्कि कई युवा कलाकारों को भी प्रेरित किया है। उर्वशी रौतेला लगातार यह साबित कर रही हैं कि वह हर बार कुछ नया और ऊर्जावान लेकर आती हैं—और यही उनकी सबसे बड़ी पहचान है।

मात्र 10 साल की उम्र में काम करना शुरू कर दिया था रति अग्निहोत्री ने

बॉलीवुड एक्ट्रेस रति अग्निहोत्री को एक समय खूबसूरती और संजीदा अभिनय की मिसाल माना जाता था। दर्शक उन्हें 'स्वर्ग से उतरी अप्सरा' तक कहकर पुकारते थे। रति अग्निहोत्री भी बॉलीवुड के कई प्रतिभाशाली कलाकारों में शामिल हैं। रति अग्निहोत्री का जन्म 10 दिसंबर 1960 को उत्तर प्रदेश के बरेली में एक पंजाबी परिवार में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और मॉडलिंग का शौक था और मात्र 10 साल की उम्र में उन्होंने काम करना शुरू कर दिया। उनकी प्रतिभा को देखते हुए, 16 साल की उम्र में उन्हें तमिल फिल्म 'पुदिया वरपुकल' में काम करने का अवसर मिला। यह उनकी पहली तमिल फिल्म थी, जो ब्लॉकबस्टर साबित हुई और उन्हें साउथ इंडस्ट्री में पहचान दिला गई। इसके बाद वह कमल हासन, रजनीकांत और चिरंजीवी जैसे सुपरस्टार्स के साथ कई तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में नजर आईं। हिंदी सिनेमा में उनकी एंट्री 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'एक दूजे के लिए' से हुई, जिसमें उन्होंने कमल हासन के साथ काम किया। फिल्म बड़ी हिट रही और रति को रातों-रात स्टारडम मिल गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर बेस्ट एक्ट्रेस का नॉमिनेशन भी मिला, जिससे बॉलीवुड में उनकी स्थिति और मजबूत हुई। 1980 के दशक में उन्होंने 'कुली', 'तवायफ', 'अय्याश', 'शौकीन', 'मुझे इंसाफ चाहिए', 'मैं आवारा हूं' और 'फर्ज और कानून' जैसी कई सफल फिल्मों में मजबूत भूमिकाएँ निभाईं। करियर के शिखर पर रहते हुए रति ने 1985 में आर्किटेक्ट अनिल विरवानी से शादी कर ली और फिल्मों से दूरी बना ली। हालांकि उन्हें आगे भी कई बड़े ऑफर मिले, लेकिन उन्होंने परिवार पर ध्यान देने के लिए केवल चुनिंदा साइड रोल स्वीकार किए। 2001 में उन्होंने 'कुछ खट्टी कुछ मीठी' के साथ फिल्मों में वापसी की। इसके बाद 'क्यों हो गया नाज', 'हम तुम', 'ये है जलवा', 'देव' और 'पहचान' जैसी फिल्मों में साइड रोल करके भी उन्होंने अपनी उपस्थिति को मजबूती से दर्ज कराया।

धर्मेंद्र के जन्मदिन पर सुभाष घई ने लिख दिल छू लेने वाला संदेश

बॉलीवुड के प्रसिद्ध फिल्म निर्माता-निर्देशक सुभाष घई ने अभिनेता धर्मेंद्र की 90वीं जन्म जयंती पर उन्हें खास अंदाज में याद किया। सोशल मीडिया पर उनके साथ जुड़ी पुरानी यादों को साझा करते हुए भावुक श्रद्धांजलि दी। घई ने इंस्टाग्राम पर धर्मेंद्र की एक स्केच तस्वीर पोस्ट करते हुए एक दिल छू लेने वाला संदेश लिखा, जिसमें उन्होंने अभिनेता की शानदार फिल्मी यात्रा, उनके व्यक्तित्व और बहुमुखी अभिनय क्षमता की जमकर सराहना की। सुभाष घई ने अपने संदेश में लिखा, 卐60 साल से हमारे हीमैन स्क्रीन स्टार धर्मेंद्र को जन्मदिन की ढेरों शुभकामनाएं। उन्होंने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के लगभग हर बड़े निर्देशक के साथ काम किया है। सीधा-साधा नौजवान, एंग्री एक्शन हीरो, संवेदनशील प्रेमी, कवि, कमीडियन, ऐतिहासिक किरदार या फिर अध्यात्म से जुड़ा चरित्र हर रूप में दर्शकों ने उन्हें सराहा। यह सब उनके सादगी भरे साफ दिल और मेहनत की वजह से संभव हो पाया।' घई ने आगे लिखा कि उनकी नजर में धर्मेंद्र एक ऐसे सितारे थे, जिन्होंने अपने अभिनय के जरिए ना सिर्फ शुभचिंतकों का दिल जीता, बल्कि इंसानियत और सरलता की मिसाल भी कायम की। घई ने अपने संदेश में विशेष रूप से वर्ष 1981 में रिलीज हुई अपनी फिल्म 'क्रोधी' का उल्लेख किया। इस फिल्म में धर्मेंद्र ने मुख्य किरदार निभाया था, जो एक पढ़ा-लिखा माफिया डॉन होता है और बाद में जीवन की घटनाओं से प्रभावित होकर अध्यात्म का मार्ग अपनाता है।

घई ने इसे अपने करियर की भी खास फिल्म बताया और कहा, 'उन्होंने मेरी फिल्म 'क्रोधी' में जो चुनौतीपूर्ण रोल किया, वह आज भी मेरी सबसे पसंदीदा फिल्मों में शामिल है। इस किरदार में गुस्से, बदले और आध्यात्मिक बदलाव का अनोखा संगम था, जिसे धर्मेंद्र ने बेहद खूबसूरती से निभाया। हैप्पी बर्थडे पाजी, आप हमेशा हमारे दिलों में रहेंगे।' 'क्रोधी' एक दमदार एक्शन थ्रिलर थी, जिसमें धर्मेंद्र के साथ शशि कपूर, जीनत अमान, प्रेमनाथ, रंजीता, सचिन, प्राण और अमरीश पुरी जैसे कई नामी कलाकार नजर आए। फिल्म में विशेष भूमिकाओं में हेमा मालिनी और मौसमी चटर्जी भी शामिल थीं। दर्शकों ने फिल्म में धर्मेंद्र के द्वारा गुस्से और प्रतिशोध से भरे व्यक्ति से शांत और आध्यात्मिक व्यक्तित्व में हुए परिवर्तन को खूब सराहा था।

गुमनामी की जिंदगी जी रही एक्ट्रेस प्रिया गिल

अपने बेहतरीन अभिनय से दर्शकों का दिल जीतने वाली अभिनेत्री प्रिया गिल आज अपना जन्मदिन मना रही हैं। 1999 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'सिर्फ तुम' में अभिनय के बाद अभिनेत्री प्रिया गिल अचानक रातोंरात स्टार बन गई थीं, लेकिन समय के साथ वह फिल्मी दुनिया से दूर होती चली गईं। एक्ट्रेस आज पूरी तरह गुमनामी की जिंदगी जी रही हैं। बॉलीवुड में अपनी पहचान बनाने वाली प्रिया गिल ने इंडस्ट्री के सबसे बड़े सितारों शाहरुख खान और सलमान खान के साथ भी काम किया, लेकिन मायूसी और संघर्ष ने उन्हें कैमरे की चमक से बहुत दूर कर दिया। प्रिया गिल ने 1995 में मिस इंडिया प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट बनकर मनोरंजन जगत में कदम रखा। उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत अभिनेता चंद्रचूड़ सिंह के साथ 1996 में रिलीज हुई फिल्म 'तेरे मेरे सपने' से की।

फिल्म में उनकी एक्टिंग की सराहना हुई, लेकिन उन्हें उस फिल्म की तलाश थी जो उनके करियर को नई ऊंचाई दे। यह मौका उन्हें मिला 1999 में आई फिल्म 'सिर्फ तुम' से, जिसमें उन्होंने संजय कपूर के साथ काम किया। फिल्म रिलीज होते ही प्रिया गिल की मीठी मुस्कान, नैचुरल एक्टिंग और सादगी ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया और वह रातोंरात स्टार बन गईं। सफलता के इस दौर में प्रिया गिल ने बड़े सितारों के साथ भी बेहतरीन भूमिकाएँ निभाईं। वह 2000 में आई फिल्म 'जोश' में शाहरुख खान के साथ मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में ऐश्वर्या राय भी थीं, जो शाहरुख की बहन बनी थीं, लेकिन प्रिया गिल ने बतौर हीरोइन अपनी अलग पहचान छोड़ी। इसके अलावा उन्होंने सलमान खान के साथ 'बड़े दिलवाला' और नागार्जुन जैसे साउथ के सुपरस्टार के साथ फिल्में कीं। हालांकि, 1999 में रिलीज हुई फिल्म 'बड़े दिलवाला' उनके करियर के लिए निर्णायक मोड़ साबित हुई। फिल्म असफल रही और इसके बाद उन्हें फिल्मों में मुख्य भूमिकाएं मिलना बंद हो गया।

अभिनेत्री दीया मिर्जा का प्रेरणादायक है सफर

महज 20 साल की उम्र में बतौर मॉडल करियर की शुरुआत करने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री दीया मिर्जा आज फिल्म इंडस्ट्री की सफल और सम्मानित अभिनेत्रियों में गिनी जाती हैं। हाल ही में दीया मिर्जा अपना जन्मदिन मनाया। उनका सफर सिर्फ ग्लैमर की दुनिया तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय सरोकारों से भी गहराई से जुड़ा है। दीया को उनकी पहली पहचान 2001 में रिलीज हुई सुपरहिट फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' की 'रीना मल्होत्रा' के किरदार से मिली, जिसने दर्शकों के दिलों में उन्हें हमेशा के लिए बसा दिया। दीया मिर्जा का जन्म 9 दिसंबर 1981 को हैदराबाद में हुआ। उनके पिता फ्रैंक हैंडरिच जर्मन ग्राफिक और आर्किटेक्चर डिजाइनर थे, जबकि मां दीपा मिर्जा बंगाली इंटीरियर डिजाइनर और लैंडस्केप आर्टिस्ट हैं। जब दीया सिर्फ साढ़े चार साल की थीं, तभी उनके माता-पिता अलग हो गए। बचपन की चुनौतियों के बावजूद दीया ने पढ़ाई और करियर दोनों में सफलता हासिल की। उन्होंने अंबेडकर ओपन यूनिवर्सिटी से बैचलर ऑफ आर्ट्स की डिग्री पूरी की और कॉलेज के दौरान ही एक मीडिया फर्म में मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की नौकरी शुरू कर दी। इसी दौरान वह प्रिंट और टीवी विज्ञापनों में मॉडलिंग करने लगीं और कई बड़े ब्रांड्स का चेहरा बनीं।

साल 2000 में दीया ने फेमिना मिस इंडिया प्रतियोगिता में हिस्सा लिया और रनर-अप रहीं। इसके बाद उन्होंने मिस एशिया पैसिफिक का खिताब अपने नाम किया और सिर्फ 18 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का नाम रोशन किया। प्रतियोगिता में उनकी सादगी, आत्मविश्वास और गरिमा की खूब चर्चा हुई। इसी के बाद बॉलीवुड के दरवाजे उनके लिए खुले और 2001 में आई फिल्म 'रहना है तेरे दिल में' ने उन्हें स्टारडम दिलाया। फिल्म में आर। माधवन और सैफ अली खान के साथ दीया की केमिस्ट्री और उनकी मासूमियत को दर्शकों ने भरपूर पसंद किया। फिल्मी करियर में दीया ने 'संजू', 'थप्पड़', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'एसिड फैक्ट्री', और 'सलाम मुंबई' जैसी फिल्मों में अपनी अलग पहचान बनाई। मगर वह कभी सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं रहीं। दीया पर्यावरण संरक्षण, महिला सशक्तिकरण और बच्चों की शिक्षा जैसे मुद्दों पर लगातार सक्रिय रही हैं। वह संयुक्त राष्ट्र की गुडविल एंबेसडर हैं और पर्यावरण संरक्षण के लिए कई अभियानों का नेतृत्व करती रही हैं। साल 2019 में उन्होंने अपनी प्रोडक्शन कंपनी 'वन इंडिया स्टोरी' की शुरुआत की, जिसके जरिए वह समाज से जुड़े सार्थक कंटेंट बनाने का काम कर रही हैं।

जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर शोभिता धुलिपाला ने दिखाया स्वैग

आमतौर पर साड़ी और लहंगे में नजर आने वाली साउथ की मशहूर एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला ने अपनी लेटेस्ट तस्वीरों में जींस और ब्लैक जैकेट पहनकर ऐसा स्वैग दिखाया कि फैंस उनकी तुलना अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा तक से करने लगे। उनका यह मॉडर्न अवतार देखते ही देखते वायरल हो गया और लोग उनके नए स्टाइल की जमकर तारीफ कर रहे हैं। नागार्जुन की बहू बनने के बाद से शोभिता का हर लुक लाइमलाइट में रहता है, लेकिन इस बार उनका बदला हुआ स्टाइल सबसे ज्यादा चर्चा में है। उन्होंने ब्लैक लेदर जैकेट, हाई-वेस्ट डेनिम जींस और अंदर ब्लैक टैंक टॉप पहनकर एकदम ग्लैमरस और कॉन्फिडेंट लुक क्रिएट किया। आउटफिट बेहद सिंपल था, लेकिन इसे जिस अंदाज में उन्होंने कैरी किया, वह उनके पूरे व्यक्तित्व को अलग ही स्तर पर ले गया। उनका पोज़, एक्सप्रेशन और बॉडी लैंग्वेज हर फोटो में कूल और स्टाइलिश वाइब दे रहे थे। ब्लैक लेदर जैकेट इस पूरे लुक का सबसे आकर्षक हिस्सा बन गया। इसकी फिटिंग, सिल्वर ज़िप्स और स्टाइलिश कट्स ने उनके बोल्ड अंदाज को और निखारा। वहीं, ब्लैक टैंक टॉप ने उनके लुक में परफेक्ट बोल्डनेस जोड़ दी। प्लेन होने के बावजूद इसका फिट और स्टाइल आउटफिट को खास बना रहा था। हाई-वेस्ट जींस का चुनाव भी बेहतरीन रहा, जिसने उनके मॉडर्न और कंफर्टेबल स्टाइल को पूरा किया। गोल सिल्वर बटन और डीप पॉकेट्स ने जींस को और आकर्षक बनाया, जबकि पॉकेट में हाथ डालकर दिए गए उनके पोज़ तस्वीरों को और भी क्लासी बना रहे थे। शोभिता ने इस पूरे लुक को एक्सेसरीज के साथ ओवरडन नहीं किया। उन्होंने केवल एक चंकी सिल्वर नेकलेस पहना और बाकी ज्वेलरी को पूरी तरह इग्नोर किया। उनकी आंखों पर लगा ब्लैक सनग्लास उनके कूल अंदाज का सबसे बड़ा हाइलाइट बना। साधारण वेस्टर्न आउटफिट को उन्होंने जिस आत्मविश्वास के साथ पेश किया, उसने उन्हें और भी गॉर्जियस बना दिया। फैंस उनके इस अवतार पर लगातार प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं। किसी ने उन्हें 'साउथ की प्रियंका चोपड़ा' कहा तो किसी ने 'लेडी सिंघम'। कई लोगों का कहना है कि शोभिता बिना किसी विशेष मेहनत के ही स्टाइलिश और ग्लैमरस दिखने की क्षमता रखती हैं। उनकी तस्वीरें तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस उनके इस मॉडर्न, bold और कॉन्फिडेंट लुक पर फिदा हो गए हैं। बता दें कि साउथ स्टार नागार्जुन की बड़ी बहू और एक्ट्रेस शोभिता धुलिपाला अक्सर अपने एथनिक और एलीगेंट लुक्स के लिए मशहूर रही हैं, लेकिन इस बार उन्होंने ऐसा वेस्टर्न अंदाज अपनाया कि सोशल मीडिया पर हलचल मच गई।

काम पर लौटीं कियारा आडवाणी

बॉलीवुड एक्ट्रेस कियारा आडवाणी मां बनने की खुशी के बाद अब दोबारा काम पर लौट आई हैं। कियारा और सिद्धार्थ मल्होत्रा ने 15 जुलाई को अपनी बेटी सारायाह का स्वागत किया था। माता-पिता बनने के बाद यह पहली बार है जब कियारा मीडिया कैमरों के सामने दिखाई दीं। लगभग पांच महीनों के बाद काम पर वापसी करते हुए कियारा को मुंबई में स्पॉट किया गया, जहां उन्हें देखकर फैंस बेहद उत्साहित हो गए। मदरहुड के बाद कियारा की यह पहली झलक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गई। फैंस लंबे समय से उनकी स्क्रीन पर वापसी का इंतजार कर रहे थे। मां बनने के बाद कियारा ने काफी समय परिवार को दिया और अब दोबारा अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों को निभाने की शुरुआत की है।

कियारा पिछले कुछ वर्षों में बॉलीवुड की टॉप लीग की अभिनेत्रियों में शुमार हो चुकी हैं और उनकी फिल्मों ने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। यही कारण है कि ब्रांड्स और फिल्ममेकर्स भी उनकी वापसी का इंतजार कर रहे थे। हालांकि उन्होंने अभी तक यह खुलासा नहीं किया है कि वह किस प्रोजेक्ट की शूटिंग के लिए सेट पर लौटी हैं, लेकिन अंदाजा लगाया जा रहा है कि वह जल्द ही किसी बड़े प्रोजेक्ट की घोषणा कर सकती हैं।

डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ: प्राजक्ता कोली

मशहूर यूट्यूबर और एक्ट्रेस प्राजक्ता कोली कहा कि डिजिटल कंटेंट क्रिएशन का दौर न तो खत्म हुआ है और न ही धीमा पड़ा है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में यह पहले से कहीं ज्यादा व्यापक, तेज और अनिश्चित हो गया है।

एक्ट्रेस प्राजक्ता ने बताया कि डिजिटल स्पेस बदला है, खत्म नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि दस-ग्यारह साल पहले जब उन्होंने शुरुआत की थी तब केवल लॉन्ग-फॉर्म वीडियो ही चलते थे, लेकिन आज दर्शकों का ध्यान कई प्लेटफॉर्म्स में बंट चुका है। नए-नए फॉर्मेट्स और ट्रेंड्स लगातार सामने आ रहे हैं, जिससे क्रिएटर्स को भी खुद को लगातार अपडेट रखना पड़ता है। उन्होंने 2017 के डिजिटल बूम को इंडस्ट्री का सबसे बड़ा टर्निंग पॉइंट बताया और कहा कि इसी बूम की वजह से आज भारत दुनिया की सबसे बड़ी डिजिटल इकॉनमी बन चुका है, जहां हर बड़ा ब्रांड भारतीय कंटेंट क्रिएटर्स के साथ काम करना चाहता है। अपनी जर्नी को वह पूरी तरह अनप्रेडिक्टेबल बताती हैं। उनके मुताबिक डिजिटल इंडस्ट्री में कोई तय रोडमैप, पैटर्न या रिदम नहीं होता। कभी कुछ वीडियो अच्छा चल जाते हैं और लगता है कि सब सेट हो गया, लेकिन अगला वीडियो आते-आते हालात पूरी तरह बदल सकते हैं।

उन्होंने कहा कि इस फील्ड का यही रोमांच है—यह एक रोलरकोस्टर राइड की तरह है जिसमें हर मोड़ पर नई चुनौती और नया मौका होता है। बीते दस साल में उनकी सबसे बड़ी सीख यही रही है कि बदलाव को पहचानना और तुरंत अपनाना जरूरी है। प्राजक्ता ने कहा कि उनके लिए हमेशा यह समझना महत्वपूर्ण रहा कि किस समय क्या चल रहा है, क्या अब काम नहीं कर रहा और फिर बिना रुके नई दिशा की तरफ बढ़ जाना चाहिए। उनकी मान्यता है कि यही एप्रोच उन्हें इंडस्ट्री में लगातार प्रासंगिक बनाए रखती है। डिजिटल स्पेस को वह चुनौतीपूर्ण के साथ-साथ बेहद रोमांचक भी मानती हैं।

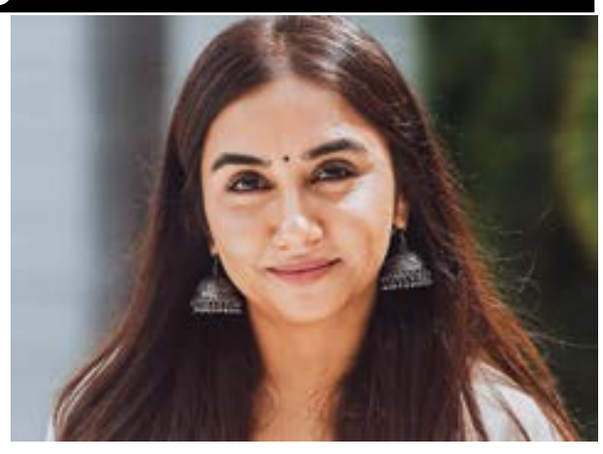

दानह जिलाधिकारी का आदेश सभी औद्योगिक श्रमिकों के पास हो पहचान पत्र

■ पहचान पत्र न जारी करने तथा श्रमिकों की जानकारी नजदीकी पुलिस थानों में नहीं संलग्न कराने पर औद्योगिक इकाइयों और ठेकेदारों के खिलाफ होगी कार्रवाईः जिलाधिकारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 12 दिसंबर। दादरा नगर हवेली जिलाधिकारी प्रियांक किशोर ने एक आदेश जारी सभी औद्योगिक कर्मचारियों और गैर संगठन के कर्मचारियों के लिए पहचान पत्र अनिवार्य किए जाने का आदेश जारी किया है। जारी किए गए आदेश के अनुसार अब सभी औद्योगिक इकाइयों, श्रमिक ठेकेदारों तथा असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को भी पहचान पत्र जारी करना अनिवार्य होगा। अगर कोई भी औद्योगिक इकाई तथा श्रमिक ठेकेदार अपने श्रमिकों को पहचान पत्र नहीं जारी करता और श्रमिकों के संबंधित सभी सूचनाओं निकटतम पुलिस थानों में नहीं जमा करता है तो यह जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए भारतीय न्याय संहिता की धारा 163 का उल्लंघन माना जाएगा तथा इसका उल्लंघन करने पर संबंधित ठेकेदार अथवा औद्योगिक इकाई के संचालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 के तहत कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी प्रियांक किशोर द्वारा जारी किए गए इस आदेश के अनुसार दादरा और नगर हवेली जिले की विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में बड़ी संख्या में कर्मचारी कार्यरत हैं और यह देखा गया है कि आम तौर पर श्रमिकों के पास उचित पहचान पत्र नहीं होते हैं, इसलिए किसी भी अप्रिय घटना के समय उनकी पहचान करना मुश्किल हो जाता है। अतः जिला मजिस्ट्रेट दादरा और नगर हवेली, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 की धारा 163 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह आदेश दिया है कि सभी ठेकेदार/औद्योगिक स्वामी पहचान प्रमाण के विवरण रखें और अपने कर्मचारियों को पहचान पत्र जारी करें तथा संबंधित पुलिस स्टेशनों को तदनुसार सूचित करें। इस आदेश का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति को भारतीय न्याय संहिता, 2023 की धारा 223 के तहत दंडित किया जाएगा। चूंकि सभी ठेकेदारों/औद्योगिक मालिकों को व्यक्तिगत रूप से नोटिस देना संभव नहीं है, इसलिए यह आदेश पारित किया जाता है। इसे प्रेस के माध्यम से और दादरा नगर हवेली स्थित श्रम प्रवर्तन अधिकारी के कार्यालय, साथ ही डीआईजीपी, पुलिस अधीक्षक, उप-मंडल पुलिस अधिकारी, सभी पुलिस थानों/चौकियों/एसएफओ, सिलवासा नगर परिषद और दादरा एवं नगर हवेली स्थित जिला पंचायत के नोटिस बोर्ड पर प्रतियां चिपकाकर जनता की सूचना के लिए प्रकाशित किया जाएगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। यह आदेश 15/12/2025 से 13/02/2026 तक (दोनों दिन शामिल) प्रभावी रहेगा, जब तक कि इसे पहले रद्द न कर दिया जाए।

वलसाड में निर्माणाधीन पुल ढहा, 5 मजदूर मलबे में दबे

अहमदाबाद, (ईएमएस)। गुजरात के वलसाड जिले में शुक्रवार सुबह एक बड़ा हादसा हो गया। दरअसल औरंगा नदी पर बन रहा निर्माणाधीन पुल अचानक ढह गया, जिसके मलबे में पांच मजदूर दब गए। हादसे के बाद तुरंत राहत व बचाव कार्य शुरू किया गया, जिसके चलते चार मजदूरों को बाहर निकाल लिया गया, हालांकि सभी को गंभीर चोटें आई हैं। इस हादसे में एक मजदूर के अभी भी मलबे में दबे होने की आशंका है, जिसे खोजने का प्रयास तेजी से जारी है। बचाव दल की टीम मौके पर क्रेन और अन्य मशीनरी की मदद से मलबा हटाने में जुटी है। स्थानीय प्रशासन, दमकल विभाग और पुलिस बल भी राहत कार्य में सहयोग कर रहे हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह काम के दौरान अचानक एक बड़ा झटका लगा और देखते ही देखते पुल का हिस्सा भरभराकर गिर पड़ा। गंभीर रूप से घायल मजदूरों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। हादसे के कारणों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन प्रारंभिक जानकारी के अनुसार निर्माण कार्य में तकनीकी खामी या संरचनात्मक कमजोरी इसकी वजह हो सकती है। जिला प्रशासन ने घटना की जांच के आदेश दे दिए हैं और जिम्मेदार ठेकेदारों व एजेंसियों से जवाब मांगा जा रहा है।

अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली साप्ताहिक स्पेशल परिवर्तित मार्ग से चलेगी

अहमदाबाद (ईएमएस)। दक्षिण रेलवे के चेन्नई एग्मोर (एमएस) स्टेशन पर पुनर्विकास कार्य के तहत प्लेटफॉर्म संख्या 5 और 6 पर किए जा रहे कार्यों के कारण 60 दिनों का ब्लॉक लिया गया है, जिसके कारण अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली साप्ताहिक स्पेशल ट्रेन परिवर्तित मार्ग से चलेगी। जिसका विवरण निम्नानुसार हैः-

ट्रेन संख्या 09419 अहमदाबाद-तिरुचिरापल्ली साप्ताहिक स्पेशल 18 दिसंबर 2025 से 29 जनवरी 2026 तक परिवर्तित मार्ग वाया रेनिगुंटा-अरक्कोणम नॉर्थ कैबिन-मेलपक्कम-काटपाडी-वेलूर केंट-विल्लुपुरम के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन अरक्कोणम, पेरम्बूर, चेन्नई एग्मोर, ताम्बरम और चेंगलपट्टू स्टेशनों पर नहीं जाएगी।

ट्रेन संख्या 09420 तिरुचिरापल्ली-अहमदाबाद साप्ताहिक स्पेशल 21 दिसंबर 2025 से 02 फरवरी 2026 तक परिवर्तित मार्ग वाया वेलूर केंट-काटपाडी-मेलपक्कम-अरक्कोणम नॉर्थ कैबिन-रेनिगुंटा के रास्ते चलेगी। इस दौरान यह ट्रेन चेंगलपट्टू-ताम्बरम और चेन्नई एग्मोर, पेरम्बूर, अरक्कोणम स्टेशनों पर नहीं जाएगी। मार्ग परिवर्तन के दौरान इस ट्रेन को तिरुत्तणि स्टेशनों पर अतिरिक्त ठहराव दिया गया है।

ट्रेनों के ठहराव, मार्ग और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www.enquiry.indianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

दर्दनाक हादसा : ऑटो और बाइक में टक्कर के बाद लगी भीषण आग, महिला की जलकर मौत

भरुच (ईएमएस)। आज सुबह अंकलेश्वरझगड़िया मार्ग पर कोसमड़ी गांव के पास एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ। ऑटो रिक्शा और मोटरसाइकिल के बीच जोरदार टक्कर होते ही दोनों वाहनों में अचानक आग लग गई। कुछ ही मिनटों में आसपास का पूरा इलाका आग की लपटों और घने धुएँ से भर गया। दुर्घटना में ऑटो रिक्शा में सवार एक महिला आग की लपटों में फँस गई और बाहर नहीं निकल सकी, जिससे उसका घटनास्थल पर ही दर्दनाक निधन हो गया। इस भयावह दृश्य को देखकर मौके पर मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं। हादसे में रिक्शा में सवार अन्य तीन लोग तथा बाइक चालक सहित कुल चार लोग गंभीर रूप से झुलस गए। सभी को तुरंत अंकलेश्वर की एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनकी स्थिति नाजुक बताई जा रही है। सूचना मिलते ही अंकलेश्वर फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक दोनों वाहन पूरी तरह जलकर राख हो चुके थे। आग और धुएं के कारण हाईवे पर कई घंटों तक भारी ट्रैफिक जाम लगा रहा। जीआईडीसी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और महिला के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार हादसे का मुख्य कारण तेज रफ्तार माना जा रहा है, हालांकि पुलिस की आगे की जांच जारी है।

गुजरात की बेटियों के सशक्तिकरण की नई पहचान : 'नमो लक्ष्मी योजना'

■ अब शिक्षा नहीं सिर्फ अधिकार, बल्कि हर बेटी के उज्ज्वल भविष्य की पक्की गारंटी

■ कक्षा 9-10 में कुल 20 हजार रुपये - कक्षा 11-12 में कुल 30 हजार रुपये

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरात की बेटियों के लिए अब शिक्षा केवल एक अधिकार नहीं, बल्कि सशक्तिकरण की मजबूत गारंटी बन गई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में प्रारंभ की गई 'नमो लक्ष्मी योजना' कन्या शिक्षा के इतिहास में एक स्वर्णिम मील का पत्थर साबित हो रही है। इस योजना के तहत अब तक राज्य की 10 लाख से अधिक छात्राओं को 1,000 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता प्रदान की जा चुकी है। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट में इस योजना के लिए 1,250 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

कक्षा 9 से 12 तक का अध्ययन पूरा करने वाली पात्र छात्रा को राज्य सरकार द्वारा कुल 50 हजार रुपये तक की सहायता उपलब्ध कराई जाती है, जिससे गरीब तथा मध्यमवर्गीय परिवारों पर आर्थिक बोझ कम होता है। यह सहायता गुजरात माध्यमिक एवं उच्चतर माध्यमिक शिक्षा बोर्ड तथा केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड से मान्यता प्राप्त स्कूलों में अध्ययनरत छात्राओं को प्रदान की जाती है। इस योजना की विशेषता यह है कि यदि छात्रा को किसी अन्य सरकारी छात्रवृत्ति का लाभ मिल रहा हो, तब भी नमो लक्ष्मी योजना' का लाभ अतिरिक्त तौर पर मिलता रहता है।

यह सहायता प्रतिमाह छात्रा के बैंक खाते में सीधे जमा होती है- कक्षा 9-10 के लिए 500 रुपये प्रति माह और कक्षा 11-12 के लिए 750 रुपये प्रति माह। शेष राशि संबंधित बोर्ड की परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद जमा की जाती है। इस योजना का लाभ उन सभी छात्राओं को मिलता है जिन्होंने सरकारी, अनुदानित या आरटीई अंतर्गत कक्षा 8 पूरा किया हो तथा जिनके परिवार की वार्षिक आय 6 लाख रुपये तक हो। योजना के सुचारू संचालन के लिए 'नमो लक्ष्मी पोर्टल' कार्यरत है, जिसके माध्यम से सहायता की पूरी राशि छात्रा या उसकी माता के बैंक खाते में सीधे जमा की जाती है। कक्षा 9 से 12 तक अध्ययनरत सभी छात्राओं का पंजीकरण चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम (सीटीएस) में होता है, जिसे नमो लक्ष्मी पोर्टल से जोड़ा गया है। वर्ग शिक्षक पोर्टल पर अपने वर्ग को चयनित करते ही छात्राओं का पूरा डेटा देख सकते हैं तथा आधार कार्ड, स्कूल आई-कार्ड, मार्कशीट, आय प्रमाणपत्र, बैंक पासबुक की प्रति, जन्मतिथि प्रमाण और मोबाइल नंबर सहित आवश्यक विवरण अपलोड करते हैं। ये दस्तावेज माता-पिता से एकत्र किए जाते हैं। पात्र छात्राओं का सत्यापन पूरा होते ही जुलाई माह में जून और जुलाई की सहायता एक साथ जमा कर दी जाती है। वर्ष भर की अन्य महीनों की सहायता राशि प्रत्येक माह की 10 तारीख तक खाते में जमा कर दी जाती है। योजना शुरू होने के कुछ ही समय में 10 लाख से अधिक छात्राओं को आर्थिक सहायता सफलतापूर्वक प्रदान कर राज्य सरकार ने बेटियों के उज्ज्वल भविष्य के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को सशक्त किया है। 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के संकल्प को साकार करती यह योजना केवल आर्थिक मदद ही नहीं, बल्कि नारीशक्ति के आत्मसम्मान और उच्च शिक्षा के मार्ग को प्रकाशमान करने वाली प्रेरणा है। प्राथमिक शिक्षा के बाद आर्थिक कारणों से कोई भी बेटी शिक्षा न छोड़े, इसी श्रेष्ठ उद्देश्य के साथ 'नमो लक्ष्मी योजना' को लागू किया गया है।

फायर सेफ्टी सिलेंडर में धमाका! सफाई कर रहे मजदूर की मौत, जांच में जुटा पुलिस और फायर विभाग

पोरबंदर (ईएमएस)। शहर के उद्योगनगर रेलवे फाटक के पास स्थित हरसिद्धि एंटरप्राइज़ के गोदाम में फायर सेफ्टी का सिलेंडर फट जाने की विचित्र घटना सामने आई है। आग बुझाने में उपयोग होने वाला यह फायर सेफ्टी सिलेंडर फटने से महेंद्र मकवाणा नामक 55 वर्षीय व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जिससे परिवारजन शोक में डूब गए हैं। रिहाइशी इलाके में मकान का व्यावसायिक उपयोग होने के कारण नगर निगम ने भी जांच शुरू कर दी है। साथ ही फायर विभाग और पोरबंदर पुलिस ने घटना की गंभीरता को देखते हुए विस्तृत जांच आरंभ की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हरसिद्धि एंटरप्राइज़ के गोदाम में महेंद्र मकवाणा सफाई का कार्य कर रहे थे। इसी दौरान किसी भी कारणवश फायर सेफ्टी का सिलेंडर फट गया, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मकान मालिक और हरसिद्धि एंटरप्राइज़ के संचालक अश्विनभाई से पूछताछ कर घटना के कारणों की जानकारी लेने का प्रयास किया। अश्विनभाई ने बताया कि महेंद्र मकवाणा कभी-कभी सफाई के लिए उनके यहां आते थे। वहीं मृतक के परिजनों ने बताया कि महेंद्र मकवाणा पिछले 30 वर्षों से जीआईडीसी में स्थित एक तंबाकू फैक्ट्री में कार्यरत थे। काम खत्म होने के बाद वे हरसिद्धि एंटरप्राइज़ में भी छोटा-मोटा काम कर देते थे। उनके परिवार में एक बेटा और एक बेटी है। घर के मुख्य कमाने वाले सदस्य की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है।

घटना को लेकर शहर में एक ही सवाल चर्चा का विषय बना हुआ है - आग बुझाने के लिए उपयोग होने वाला फायर सेफ्टी सिलेंडर आखिर कैसे फट गया? नगर निगम ने भवन के व्यावसायिक उपयोग की दिशा में जांच प्रारंभ की है। दूसरी ओर, पोरबंदर फायर विभाग में फायर ऑफिसर अभय मेहता के अनुसार सिलेंडर में ब्लास्ट होने का कारण ओवर-प्रेशर, सिलेंडर की कमजोर बॉडी, या हाथ से छूटकर गिर जाना हो सकता है। उन्होंने यह भी बताया कि कंपनी से निर्माण के बाद फायर सिलेंडर का समय-समय पर हाइड्रो-टेस्ट होना आवश्यक है, तभी उसे पुनः उपयोग में लिया जा सकता है। फायर विभाग इस मामले की विस्तृत जांच कर रहा है।

जीवन की अनिश्चितताओं में मज़बूत सहारा : गुजरात सरकार की सामूहिक समूह दुर्घटना बीमा योजना

■ 4 करोड़ से अधिक नागरिकों को सुरक्षा कवच, पिछले पाँच वर्षों में 293 करोड़ का भुगतान, संकट की घड़ी में सरकार जनता के साथ

गांधीनगर (ईएमएसे जीवन की अनिश्चितताओं के बीच गुजरात सरकार ने संवेदनशीलता दिखाते हुए सामूहिक समूह दुर्घटना बीमा योजना के माध्यम से राज्य के लाखों परिवारों को एक मजबूत सुरक्षा कवच प्रदान किया है। इस योजना के जरिए सरकार ने साबित किया है कि संकट की घड़ी में नागरिक अकेले नहीं, बल्कि सरकार उनके साथ मजबूती से खड़ी है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में इस योजना के तहत पात्र परिवारों को दुर्घटना की स्थिति में तेजी से बीमा राशि का भुगतान किया जा रहा है।

वर्तमान में इस योजना के अंतर्गत राज्य के 4.12 करोड़ से अधिक नागरिकों को शामिल किया गया है। पिछले पाँच वर्षों में 16 हजार से अधिक लाभार्थियों को दुर्घटना-मृत्यु के मामलों में लगभग 293 करोड़ रुपये का बीमा मुआवजा दिया गया है, जो जनता के प्रति सरकार की संवेदनशीलता को दर्शाता है। पूर्व में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों द्वारा अलग-अलग दुर्घटना बीमा योजनाएँ चलाई जा रही थीं। लाभों के दोहराव से बचने और सभी लाभार्थियों तक समान रूप से योजना का लाभ पहुँचाने के लिए सरकार के बीमा नियामक कार्यालय द्वारा इन सभी योजनाओं को एकीकृत कर सामूहिक समूह दुर्घटना बीमा योजना लागू की गई। इस योजना से पात्र लाभार्थियों को दुर्घटना-मृत्यु के समय उनके परिवारों को महत्वपूर्ण आर्थिक सुरक्षा मिल रही है।

इस योजना के अंतर्गत अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मृत 30 से अधिक लोगों सहित 4 मेडिकल छात्रों के परिजनों को भुगतान किया गया। इसी प्रकार वडोदरा के हरनी हादसे में मृत 12 बच्चों के वारसों को भी तुरंत मुआवजा मिला। हाल के वर्षों में मोरबी पुल दुर्घटना, राजकोट गेमिंग ज़ोन हादसा, तक्षशिला ट्रेजिडी जैसी घटनाओं में भी मृतकों के परिवारों को शीघ्र सहायता प्रदान की गई।

नाना मंत्री कनु देसाई और राज्य मंत्री कमलेश पटेल के मार्गदर्शन में प्राकृतिक आपदाओं और अन्य दुर्घटनाओं के मामलों में तेजी से कार्रवाई कर दावों का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया गया है। यह योजना सिर्फ आर्थिक सुरक्षा ही प्रदान नहीं करती, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण भी है।

राज्य की इस योजना के तहत 14 प्रमुख क्षेत्रों के लाखों लाभार्थियों और उनके परिवारों को दुर्घटना बीमा प्रदान किया जा रहा है। इनमें किसान परिवार, असंगठित श्रमिक, प्राथमिक-माध्यमिक विद्यालयों, कॉलेजों व कळक के विद्यार्थी, पुलिसकर्मी, जेल गार्ड, सफाई कर्मचारी, निराधार विधवाएँ, दिव्यांगजन, हीरा उद्योग के कारीगर तथा साहसिक गतिविधियों में भाग लेने वाले युवक शामिल हैं। इन क्षेत्रों के लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत 2 लाख से 15 लाख रुपये तक का बीमा कवच मिलता है, जो संकट की घड़ी में बड़े सहारे के रूप में सिद्ध होता है।

इस प्रकार, गुजरात सरकार ने पारदर्शिता और तत्परता के साथ सहायता प्रदान कर स्पष्ट कर दिया है कि जनता का हित ही सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

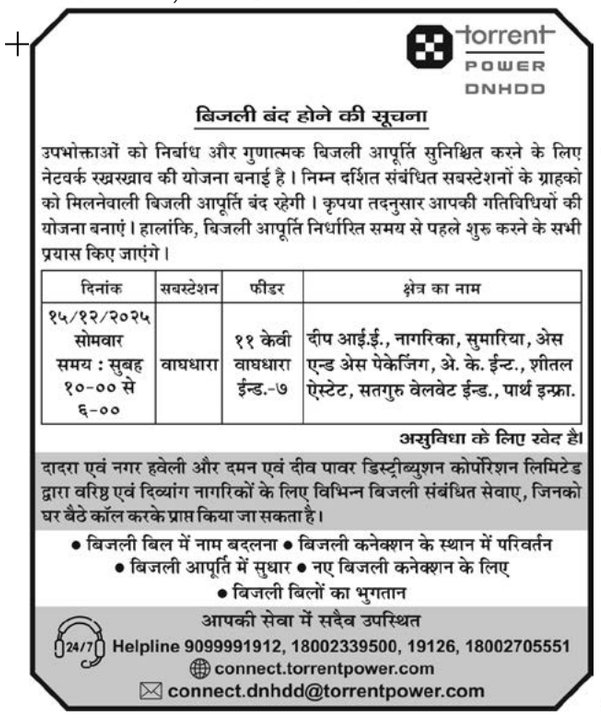

स्वामी: मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)